सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" बिना प्रयास किए आप सिर्फ नीचे गिर सकते हैं
ऊपर नहीं उठ सकते,
यह गुरुत्वाकर्षण का नियम भी है और जीवन का भी ...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–198 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरूवार 06 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के हाथों सम्मानित हुए कैलाश जैन बरमेचा

साहित्य, पत्रकारिता और समाजसेवा में बहुआयामी योगदान के लिए मिला गौरव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यप्रेमी, पत्रकार और समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा को 05 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के करकमलों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और समाज में साहित्यिक चेतना के प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह विधानसभा अध्यक्ष के सभागार में अगासदिया एवं वैभव प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के अवसर पर हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा ने की। इस दौरान कैलाश जैन बरमेचा को प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल, पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

कैलाश जैन बरमेचा दैनिक छत्तीसगढ़ राजधानी रिपोर्टर के प्रबंध संपादक और 'नई दृष्टि बिंदु' के सलाहकार संपादक हैं। इसके साथ ही वे छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग संगठन के अध्यक्ष, कई संगीत संस्थाओं के संरक्षक और प्रदेश की अनेक सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

साहित्यकारों, पत्रकारों, कलाकारों और समाजसेवियों को मंच उपलब्ध कराने, उन्हें सम्मानित करने और उनकी रचनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में उनका योगदान लगातार सराहा जाता रहा है। वे मानते हैं कि साहित्य और संस्कृति ही समाज को संस्कारित करने की सबसे बड़ी शक्ति है।

यह सम्मान पूरे प्रदेश के साहित्यकारों का है

सम्मान ग्रहण करने के बाद श्री बरमेचा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि दुर्ग सहित पूरे छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों, पत्रकारों, कलाकारों और समाजसेवियों का सम्मान है। उन्होंने अपनी साहित्यिक यात्रा की पहली प्रेरणा वरिष्ठ साहित्यकार नवेद रजा 'दुगर्वी' को दी। साथ ही सहयोगी जाहिद अली, प्रेरणास्रोत डॉ. रजनी नेल्सन और डॉ. परदेसीराम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉ. रमन सिंह, मंत्री टंकराम वर्मा, आयोजन समिति और उपस्थित सभी अतिथियों का भी धन्यवाद किया और कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज और साहित्य की सेवा के लिए और अधिक समर्पण से काम करने की प्रेरणा देगा। समारोह में प्रदेश के अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद, पत्रकार और समाजसेवी उपस्थित रहे। श्री बरमेचा को सम्मान मिलने पर प्रदेशभर से बधाई और शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है।

अवैध पार्किंग के खिलाफ निगम की कार्रवाई, वाहन जब्त

राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन ने की संयुक्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सडक किनारे होने वाली अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन 3 राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पावर हाउस सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पावर हाउस सर्विस रोड पर सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित होने तथा दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। नागरिकों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस प्रशासन के सहयोग से थाना छावनी पहुंचाया गया।

निगम प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों, सर्विस रोड एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर अपने वाहन खड़े न करें। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थल का ही उपयोग करें और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न करें।

एनडीए में खींचतान, अखिलेश का 'ब्राह्मण कार्ड' और रवि किशन का 'मौन व्रत'

बांकीपुर के नतीजों से बिहार बीजेपी में मंथन, यूपी में PDA की नई परिभाषा

आलोक तिवारी / नई दिल्ली

देश की राजनीति इस हफ्ते 3 बड़े मुद्दों पर केंद्रित रही – बिहार में प्रशांत किशोर की बढ़त से एनडीए में बेचैनी, यूपी में अखिलेश यादव का नया 'ब्राह्मण कार्ड' और संसद में रवि किशन का 'मौन व्रत' कांड।

बांकीपुर के चुनावी नतीजों ने बिहार एनडीए की नींद उड़ा दी है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की यहां बढ़त के बाद बीजेपी और जेडीयू के भीतर जुबानी जंग तेज हो गई है। बीजेपी की समीक्षा में हार के 4 कारण सामने आए

पटना स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में डिप्टी उट सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, रविशंकर प्रसाद और रामकृपाल यादव मौजूद रहे।

अखिलेश का दांव: PDA में 'P' अब 'पंडित'

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग में बड़ा बदलाव किया है। लोकसभा में 'PDA = पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' का फॉर्मूला आजमाने के बाद अब वे सॉफ्ट हिंदुत्व और ब्राह्मण वोटरों को साध रहे हैं।

लखनऊ में 'छोटे लोहिया' जनेश्वर मिश्र की जयंती पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अखिलेश ने कहा: विरोधी पीडीए से हारकर नई-नई परिभाषाएं बना रहे हैं। वे भूल गए कि पीडीए में 'P' पंडित का शॉर्ट फॉर्म है। आप जितनी पीड़ा बढ़ाएंगे, यह 'पी' उतना ही मजबूत होगा।"

क्यों अहम है 12% ब्राह्मण वोट? यूपी में करीब 12% ब्राह्मण वोटर निर्णायक माने जाते हैं। 2022 विधानसभा में 89% और 2024 लोकसभा में 79% ब्राह्मण वोट बीजेपी के साथ गए थे। विश्लेषकों के मुताबिक अखिलेश इसी वोट बैंक में सेंध लगाकर 2027 में 203 का जादुई आंकड़ा छूने की तैयारी में हैं।

पार्टी ने हार के ये 4 बड़े कारण गिनाए

कमजोर उम्मीदवार : प्रत्याशी जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा
खराब बूथ प्रबंधन : 403 में से करीब 400 बूथों पर PK की पकड़ मजबूत रही
कार्यकर्ताओं में मायूसी : जमीनी स्तर पर उत्साह की कमी
RJD का परोक्ष समथर्न : चर्चा है कि RJD का वोट बैंक अप्रत्यक्ष रूप से PK को गया
जीत के बाद प्रशांत किशोर ने सीधे सम्राट चौधरी और बिहार बीजेपी नेतृत्व पर हमला बोला। PK का कहना है कि केंद्र को बिहार में "पढ़े-लिखे और सक्षम" चेहरे को आगे बढ़ाना चाहिए। संसद परिसर में भी एनडीए सांसद इस हार को लेकर अलग-अलग कयास लगा रहे हैं।

मौन व्रत' बोलकर ट्रोल हुए रवि किशन

संसद के मानसून सत्र में गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन अपने एक बयान से सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। एनडीए की 'मंगल मिलन' बैठक के बाद जब मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने हाथ जोड़कर कहा: आज हमारे पंडित जी बोले हैं कि मौन रहिएगा। आज हमारा मौन व्रत है, आज शांत रहने दो हमको।

'मौन व्रत' के बीच बोलने पर मीम्स की बाढ़ आ गई। बाद में उन्होंने मुस्कुराकर अपनी गलती सुधारी।

एनडीए की बैठक में टीएमसी बागियों का अलग रुख

हर मंगलवार पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होने वाली एनडीए 'मंगल मिलन' बैठक में इस बार TMC से अलग हुए 'नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' के सांसदों को भी बुलाया गया। लेकिन बंगाल से आने वाले 3 मुस्लिम सांसद – अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान' – सुबह की बैठक में नहीं आए। ये दोपहर में दिल्ली के बंग भवन में शुभेंदु अधिकारी के लंच में पहुंचे। इसे हमारी राजनीतिक मजबूरी समझिए। हम एनडीए के साथ हैं, लेकिन खुले तौर पर बीजेपी के साथ फ्रेम में नहीं दिखना चाहते। बांकीपुर ने एनडीए के अंदर दरारें दिखा दी हैं, अखिलेश ने यूपी में नया समीकरण साधने की कोशिश की है, और संसद में सियासत के साथ-साथ बयानबाजी भी सुर्खियों में है।

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यरत शिक्षकों को दी राहत, छत्तीसगढ़ सरकार को 6 महीने में परीक्षा कराने के निर्देश

TET पास नहीं तो 31 अगस्त 2028 तक खतरा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश देते हुए कार्यरत शिक्षकों को TET परीक्षा पास करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक की मोहलत दी है। साथ ही राज्य सरकारों को हर 6 महीने में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने को कहा है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि तय समय-सीमा के बाद समयवृद्धि की कोई याचिका स्वीकार नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने पुनविर्चार याचिका सिविल डायरी सिविल अपील क्र. 1385/2025 में 29 मई 2026 को दिए आदेश के पैरा-34 में यह राहत दी है।

यह भी आवश्यक है कि संबंधित राज्य और सक्षम प्राधिकारी समय-समय पर TET का आयोजन करें, और अधिमानतः हर 6 महीने के अंतराल पर साल में दो बार परीक्षा कराएं, ताकि योग्य शिक्षकों को वैधानिक आवश्यकता पूरी करने का उचित अवसर मिल सके।

कोर्ट ने 1 सितंबर 2025 के आदेश के पैरा-216 और 218 में यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिक्षकों की 5 साल से कम सेवा बची है वे सेवानिवृत्ति तक पद पर बने रहेंगे, लेकिन पदोन्नति के दायरे में नहीं आएंगे। वहीं जो शिक्षक पदोन्नति के इच्छुक हैं लेकिन ळएळ उत्तीर्ण नहीं हैं, उनकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं होगा। यानी समय-सीमा में ळएळ पास नहीं करने पर नौकरी पर संकट आ सकता है।

फेडरेशन के प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे और अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि ठउळए की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना के अनुसार TET पास करना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ में द्वारा आयोजन होता है, लेकिन भर्ती नियमों और नियुक्ति पत्र में पहले ळएळ का उल्लेख नहीं था। इस कारण 25 से 30 साल से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए ळएळ की अनिवायर्ता पर राज्य सरकार ने पहले ध्यान नहीं दिया। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हजारों शिक्षकों का भविष्य अधर में है।

फेडरेशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की तर्ज पर विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन जल्द किया जाए। राजेश चटर्जी ने कहा, "यदि राज्य शासन द्वारा ळएळ परीक्षा का आयोजन नहीं होगा तो शिक्षक परीक्षा में कैसे शामिल होंगे? सरकार को प्रभावित शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण, अध्ययन सामग्री और परीक्षा की तैयारी के लिए दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए।

दतिया उपचुनाव : नरोत्तम मिश्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा "आशुतोष तिवारी मेरे अनुज हैं, हमारे बीच कोई कटुता नहीं"

नरोत्तम ने कहा, "हमारी ताकत हमारी एकजुटता, अनुशासन और संस्कार हैं।"

नई दृष्टिबिंदु / दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम के बाद सोशल मीडिया पर फैल रही अटकलों को लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और दतिया से दावेदार रहे नरोत्तम मिश्रा ने सफाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक और असत्य बातें पूरी तरह निराधार हैं।

नरोत्तम मिश्रा ने लिखा "आशुतोष तिवारी जी मेरे अनुज हैं। उनके प्रति मेरे मन में हमेशा स्नेह और आत्मीयता रही है, और आगे भी रहेगी। हमारे बीच न कभी कोई कटुता थी, न आज है। आज भी हमारी मुलाकात हमेशा की तरह उसी गमजोशी और अपनत्व के साथ हुई।"

उन्होंने कहा कि आशुतोष जी भाजपा के कर्मठ, समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता हैं। वर्ष 2003 के डबरा चुनाव से ही उन्होंने उन्हें एक ईमानदार कार्यकर्ता के रूप में देखा है। "मुझे पूरा विश्वास है कि वे संगठन और जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। आशुतोष जी ने भी परिणाम के पश्चात किसी का नाम लेकर नाराजगी नहीं जताई। यह भी सभी कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में सम्मान का भाव दर्शाता है।"

कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील

नरोत्तम मिश्रा ने अपने समथर्कों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ऐसा कोई कार्य, टिप्पणी या व्यवहार न करें जिससे पार्टी, संगठन या आशुतोष को नुकसान पहुंचे। उन्होंने कहा, "हमारी ताकत हमारी एकजुटता, अनुशासन और संस्कार हैं।"

25 वर्षों का पारिवारिक रिश्ता

पोस्ट में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि श्रआशुतोष तिवारी और उनके बीच 25 वर्षों का पारिवारिक रिश्ता है। "वह सदैव मेरे अनुज हैं, उनके लिए मैं अभिभावक हूं। हमारा और उनका यह रिश्ता सदैव ऐसे ही बना रहेगा। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन परिवार, संस्कार और रिश्ते हमेशा स्थायी रहते हैं।" उल्लेखनीय है कि दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को हार का सामना करना पड़ा है। यहां कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

यातायात पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

यातायात पुलिस की सतकर्ता से बुधवार सुबह दुर्ग में एक बड़ा हादसा टल गया। साक्षरता चौक के पास सर्विस रोड पर हाईटेंशन विद्युत तार के ऊपर पेड़ गिर जाने से करंट और जाम की आशंका थी, लेकिन पुलिस की तत्परता और संबंधित विभागों के समन्वय से स्थिति को समय रहते संभाल लिया गया।

यातायात पुलिस दुर्ग के अनुसार, 06 अगस्त 2026 को सुबह नियमित गश्त के दौरान उप निरीक्षक दरबारी राम, सहायक उप निरीक्षक मुस्ताक खान और आरक्षक विजय शर्मा की पेट्रोलिंग टीम नेहरू नगर से डबरापारा की ओर जा रही थी। इसी दौरान साक्षरता चौक के पास सर्विस रोड पर एक पेड़ हाईटेंशन लाइन पर गिरा मिला।

स्थिति की गंभीरता भांपते हुए टीम ने तुरंत बिजली विभाग के अए निर्मल कुर्रे और लाइन मैन जयंत तथा नगर निगम के उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू और सुपरवाइजर विनोद गौतम से संपर्क किया। उनकी मदद से विद्युत लाइन बंद कराई गई, जिससे करंट लगने की संभावना खत्म हो गई। इसके बाद नगर निगम के कमर्चारियों की मदद से पेड़ को सुरक्षित तरीके से काटकर सड़क किनारे हटाया गया।

संक्षिप्त समाचार

अजय चंद्राकर ने सभी अटल प्रतिमा में भ्रष्टाचार का किया दावा

रायपुर। कटघोरा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य की बजाए सीमेंट प्रतिमा लगाए जाने का मामला तुल पकड़ता जा रहा है. मामले में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि मामले में एक सब इंजीनियर को तो निलंबित किया गया है, लेकिन यह गम्भीर मामला है. पूरे प्रदेश भर अटल प्रतिमा का परीक्षण किया जाना चाहिए. इसमें सरकार को सख्त एक्शन लेना चाहिए. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पत्रकारों से चर्चा में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की ओर से लगाए गए बस्तर पंडुम में भ्रष्टाचार के आरोप पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि किसी कार्यक्रम में कोई राशि खर्च हुई तो ऑडिट होगी. यह आयोजन कांग्रेस के राजीव मितान क्लब की तरह फर्जी नहीं है. कांग्रेस व्यर्थ का प्रलाप करने में लगी है. स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर आज से शुरू किए जा रहे राज्यव्यापी आंदोलन पर अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर हमला किया है. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि भूपेश बघेल के पास कांग्रेसियों को जाना चाहिए. पूछना स्मार्ट लगाने का काम उनके कार्यालय में शुरू हुआ या नहीं।

प्रखर मिश्रा (अधिवक्ता) को पीएचडी

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) ने श्री प्रखर मिश्रा को विधि विषय में शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की है ।उनके शोध का विषय वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम ,1981 का क्रियान्वयन (छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में) रहा .. उन्होंने अपना शोध कार्य प्रो. डॉ. विनीता अग्रवाल के निर्देशन में पूर्ण किया । उनका रिसर्च सेंटर शास. जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रहा । श्री मिश्रा पूर्व में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के भी छात्रसंघ अध्यक्ष (2015-16) रह चुके है और भाजपा पदाधिकारी के पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री भी रह चुके है ।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम : अरुण

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल, विधायक श्री दीपेश साहू और ईश्वर साहू तथा कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाईं भी बैठक में शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। उन्होंने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

श्री साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया ।श्री साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। खेल बच्चों में अनुशासन, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता विकसित करते हैं, तथा बच्चों को नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखते हैं।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने संत कंवरराम स्कूल की छात्राओं को वितरित की साइकिल

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने पंडित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57, जोन क्रमांक 4 अंतर्गत स्थित संत कंवरराम स्कूल, कटोरा तालाब में छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी ने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे निरंतर आगे बढ़ें, अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करें और जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लें ।कार्यक्रम में वार्ड पार्षद एवं नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, पार्षद स्वप्निल मिश्रा, सिविल लाइन मंडल अध्यक्ष सुनील कुकरेजा, महामंत्री शैलेन्द्र, बबला होतवानी, कैलाश राजपूत, प्रशांत जगत, वार्ड पार्षद कार्यालय सहायिका गायत्री देवांगन, विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सुचि विश्वास, शिक्षकगण, स्टाफ एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नशामुक्त युवा- विकसित भारत अभियान

ब्रह्माकुमारीज द्वारा इस वर्ष को नवदशकोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय...

ब्रह्माकुमारीज द्वारा दस करोड़ लोगों से नशामुक्ति की प्रतिज्ञा कराने का संकल्प...

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के साथ ब्रह्माकुमारीज ने नशा मुक्त भारत अभियान के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। इसके अन्तर्गत नशामुक्त युवा-विकसित भारत कार्यक्रम का शुभारम्भ रविवार 2 अगस्त को सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। अपने सम्बोधन के दौरान वह युवाओं से संवाद भी करेंगे। प्रधानमंत्री से चर्चा के लिए रायपुर के शान्ति सरोवर रायपुर को भी चुना गया है। उल्लेखनीय है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अपनी स्थापना के नब्बे वर्ष पूरे होने पर इस वर्ष को नवदशकोत्सव वर्ष के रूप में मना रहा है। जिसके उपलक्ष्य में आगामी 4 से 20 अगस्त तक संस्थान द्वारा देश भर में दस करोड़ लोगों से नशामुक्ति की प्रतिज्ञा कराने का संकल्प लिया गया है। संस्था को पूरा भरोसा है कि यह महाअभियान नशामुक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कहा- धर्म पूछकर गोली मारना षडयंत्र तो नहीं ?

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को छत्तीसगढ़ के मजदूरों की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इसको लेकर क्षष्टष्ट चीफ दीपक बैज ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। दीपक बैज ने कहा कि दो मजदूरों को धर्म पूछकर गोली मारी गई। जब-जब केंद्र सरकार कमजोर दिखाई देती है या आंतरिक रूप से घिर जाती है, तो इस तरह की घटना घटती है। कहीं ये षडयंत्र तो नहीं कि धर्म पूछकर गोली मारी गई। क्या केंद्र के खिलाफ बने माहौल को डायवर्ट करने के लिए यह हादसा कराया गया है ?वहीं उन्होंने आगे कहा कि आतंकवादी इतने सुरक्षाबलों के बीच कैसे घुसकर गोली मार रहे हैं। ये सरकार की नाकामी है, षड्यंत्र हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। पलायन कर मजदूरी करने वालों को मारा गया। इसी के साथ ही दीपक बैज ने भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पहले हमले में जो कारवाईं हुई उसी तरह दूसरी बार के अटैक के बाद भी होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ट्रेड डील की

राजस्व, पुलिस और पंचायत विभाग की संयुक्त टीम ने सरकारी जमीन से हटा अतिक्रमण

नई दृष्टिबिंदु। धमतरी

सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कारर्वाई की गई है. शुक्रवार को भखारा क्षेत्र के मड़ईभाठा गांव में पांच अवैध कब्जों को हटाया गया. राजस्व, पुलिस और पंचायत विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाया. इस कारर्वाई के दौरान दीवारों और तार घेरों को हटाकर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराया गया.

जिस भूमि से कब्जा हटाया गया है, उसको ग्राम पंचायत ने सामुदायिक भवन बनाने के लिए रखा था,लेकिन कुछ लोगों ने वहां दीवार बनाकर और तार फेंसिंग कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था. पंचायत की ओर से नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने और पूर्व सूचना देने के बाद प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया.

राजस्व विभाग के अधिकारियों, पुलिस बल और पंचायत अमले की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया. मौके पर बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण जमींदोज किए गए और शासकीय भूमि को फिर से पंचायत के कब्जे में सौंप दिया गया.मड़ईभाठा गांव में जिस भूमि पर कारर्वाई की गई, वह शासकीय भूमि है. ग्राम पंचायत द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए आरक्षित की गई है. इस भूमि पर किए गए पांच अवैध अतिक्रमणों को नियमानुसार नोटिस और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद हटाया गया-आर के सिन्हा,नायब तहसीलदार

नायब तहसीलदार ने कहा कि शासन की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा. भविष्य में भी जहां-जहां शासकीय भूमि पर अतिक्रमण मिलेगा, वहां सख्त कारर्वाई की जाएगी.

सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं को और प्रभावी बनाए: डॉ. ममता

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज धमतरी स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में पीड़ित महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा वहां के समस्त पंजियों (रजिस्ट्रों) एवं पत्रावलियों की बारीकी से जांच की।

अध्यक्ष डॉ. साहू ने कमर्चारियों को निर्देशित किया कि सखी वन स्टॉप सेंटर का संचालन पूर्ण निष्ठा के साथ 24म7 (सातों दिन, 24 घंटे) सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी समय सहायता के लिए पहुंचने वाली पीड़ित महिला (आवेदिका) को किसी प्रकार की असुविधा या विलंब का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सखी सेंटर की योजनाओं और हेल्पलाइन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रमुख स्थानों पर सूचनात्मक डिस्प्ले व होर्डिंग्स लगाने,बढ़ते साइबर अपराधों से महिलाओं को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस विभाग के उप पुलिस अधीक्षक को आमंत्रित कर विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन करने तथा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु जिले के माननीय न्यायाधीशों एवं शासकीय अधिवक्ताओं को आमंत्रित कर लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित करने के निर्देश दिए ।इस दौरान उन्होंने केंद्र में पदस्थ अधिकारी-कमर्चारियों की उपस्थिति, उनके कार्य-विभाजन और केंद्र में आने वाले प्रकरणों के त्वरित निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एक सुरक्षित संबल है। यहां आने वाली हर पीड़िता को समय पर न्याय, परामर्श और आश्रय मिलना हमारी पहली प्राथमिकता है।? इस दौरान राज्य महिला आयोग के सदस्य सचिव, आयोग के अधिकारी-कमर्चारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के स्थानीय अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

डबल इंजन सरकार किसानों और युवाओं के हित में निरंतर ले रही ऐतिहासिक फैसले : वित्त मंत्री

महत्वपूर्ण फैसले देश के किसानों, खिलाडियों और ऊर्जा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होंगे

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डबल इंजन सरकार अन्नदाताओं, युवाओं और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर संकल्पबद्ध होकर ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले देश के किसानों, खिलाडियों और ऊर्जा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

श्री चौधरी ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (च्ड-ज्ञ्प्ैछ) योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने को मंजूरी प्रदान की है। इसके लिए 3.15 लाख करोड़ रूपये के वित्तीय परिव्यय का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय करोड़ों किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करेगा तथा कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने इस किसान हितैषी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5,070 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (च्ड-ैै) को भी स्वीकृति दी है। इस योजना के अंतर्गत देशभर में 5,000 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर पीवी परियोजनाओं का विकास किया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जलाशयों का बेहतर उपयोग होगा तथा देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी।

श्री चौधरी ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 36,441 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ नई खेलो इंडिया योजना को स्वीकृति देना देश के युवा खिलाडि ?ं के लिए एक बड़ी सौगात है। इस योजना के माध्यम से खिलाडि ?ं को बेहतर प्रशिक्षण, उच्चस्तरीय कोचिंग, खेल विज्ञान, आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण शिविर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का अवसर उपलब्ध कराने के लिए व्यापक वित्तीय सहायता दी जाएगी।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की समृद्धि, हरित ऊर्जा के विस्तार और युवाओं की खेल प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन निणर्यों से विकसित भारत के निर्माण को नई गति मिलेगी।

आधुनिक खेती से समृद्धि की राह पर छत्तीसगढ़ का किसान

नई दृष्टिबिंदु।रायपुर

छत्तीसगढ़ में कृषि को अधिक लाभकारी, तकनीक आधारित और किसान केंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से आर्थिक सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृषि अधोसंरचना के विकास के माध्यम से प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी मंत्री रामविचार नेताम तथा कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभागीय उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर कृषि विभाग के संचालक राहुल देव, पशुधन विकास विभाग के चंद्रकांत वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के एमडी अजय अग्रवाल, उद्यानिकी विभाग संचालक लोकेश चंद्राकर, मत्सय विभाग के संचालक एनएस नाग, छत्तीसगढ़ राज्य मण्डी बोर्ड के एमडी महेन्द्र सवन्नी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति के डॉ. विनित सक्सेना उपस्थित थे।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैवप्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी मंत्री रामविचार नेताम तथा कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभागीय उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों की आय में वृद्धि, खेती की लागत में कमी तथा कृषि को आधुनिक और टिकाऊ बनाना है। राज्य में कृषि एवं उससे जुड़े सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं।

प्रदेश में पर्याप्त खाद और बीज की उपलब्धता

प्रेसवार्ता में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने बताया कि खरीफ सीजन 2026 के लिए अप्रैल से सितंबर तक 15.55 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध 30 जुलाई 2026 तक 15.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का लगभग 98 प्रतिशत है। किसानों द्वारा अब तक 10.23 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का उठाव किया जा चुका है तथा लगभग 4.93 लाख मीट्रिक टन उर्वरक शेष उपलब्ध है ।यूरिया का लक्ष्य से अधिक 102 प्रतिशत भंडारण किया गया है, जबकि डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी सहित सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अवैध भंडारण पर लगातार कारर्वाई की जा रही है। 30 जुलाई तक 5,466 निरीक्षण किए गए, जिनमें अनेक मामलों में एफआईआर, लाइसेंस निलंबन, निरस्तीकरण तथा उर्वरक जब्ती जैसी कारर्वाई की गई। प्रदेश में खरीफ 2026 के लिए लगभग 4.95 लाख क्विंटल बीज की मांग के विरुद्ध 4.85 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का भंडारण किया गया है, जो लगभग 98 प्रतिशत उपलब्धता को दर्शाता है ।कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने बताया कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खातों में सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है। खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को 35,892.90 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ मिलने वाली प्रोत्साहन राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दी गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाखों किसानों को लाभ कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत प्रदेश के 24.63 लाख किसानों को 23वीं किस्त के रूप में 493 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई। अब तक किसानों को 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। एग्रीस्टैक और ई-केवाईसी के माध्यम से योजना को और अधिक पारदर्शी बनाया गया है। इस वर्ष खरीफ में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरुद्ध अब तक लगभग 83 प्रतिशत क्षेत्र में बोनी पूरी हो चुकी है। प्रदेश में औसत वर्षा भी सामान्य से अधिक दर्ज की गई है, जिससे खरीफ फसलों की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने बताया कि राज्य में कृषि यंत्रीकरण के तहत अब तक 7,745 किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 568 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं।

राजभवन से 5 किमी पहले रोकी गई कांग्रेस की पदयात्रा

धक्का-मुक्की के बाद 10 सदस्यीय दल ने सौंपा ज्ञापन, बीएसपी-टाउनशिप बचाने 17 सूत्रीय मांगें, वेतन पुनरीक्षण और निजीकरण पर रोक की मांग

नई दृष्टिबिंदु। भिलाईनगर

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में भिलाई इस्पात संयंत्र और भिलाई टाउनशिप को बचाने निकली चार दिवसीय पदयात्रा का मंगलवार को चौथा एवं अंतिम दिन राजभवन के पास हंगामे के साथ समाप्त हुआ। राजकुमार कॉलेज के समीप पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाकर पदयात्रा को रोक दिया, जिसके बाद पुलिस और कांग्रेसियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। अंततः प्रशासन ने 10 लोगों के प्रतिनिधिमंडल को राजभवन जाने की अनुमति दी। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर बीएसपी और टाउनशिप को बचाने की मांग की।

टाटीबंध में रात्रि विश्राम के बाद पदयात्रा वंदे मातरम के साथ शुरू हुई। रायपुर जिला अध्यक्ष शिव कुमार मेनन, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, ओबीसी कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश देवांगन, पूर्व विधायक अरुण वोरा, दुर्ग जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई महापौर नीरज पाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर शामिल हुए। राजकुमार कॉलेज के पास अनुपम गार्डन के समीप भारी पुलिस बल तैनात था। पदयात्रियों द्वारा बैरिकेटिंग तोड़ने के प्रयास पर पुलिस से झड़प हो गई। काफी देर की बहस के बाद 10 सदस्यीय दल को राजभवन जाने दिया गया। अन्य मांगों में सामग्री चोरी पर कठोर कार्रवाई, लीज पंजीयन, पाषर्दों से ठडउ खत्म करना और स्कूल-भवनों का राज्य को हस्तांतरण शामिल है। अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण बीएसपी को बेचने और टाउनशिप को खाली कराने की साजिश हो रही है। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने "भिलाई को बिकने नहीं देंगे", "बीजेपी मुर्दाबाद" के नारे लगाए। जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत भी किया गया। पदयात्रा में जितेंद्र साहू, अय्यूब खान, बृजमोहन सिंह, गिरिवर बंटी साहू, नंदकुमार कश्यप, लालचंद वर्मा सहित बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस और महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता मौजूद थीं। प्रतिनिधिमंडल में मुकेश चंद्राकर, राकेश ठाकुर, धीरज बाकलीवाल, नीरज पाल, सीजू एंथोनी, कुलदीप जुनेजा, शिव मेनन सहित अन्य शामिल थे।

ज्ञापन में रखीं ये प्रमुख 17 मांगें

1. वेतन पुनरीक्षण और 39 माह का एरियर जल्द दिलाया जाए।
2. आवास खाली कराने के नोटिस और रिटायर्ड कर्मियों की रिटेंशन स्कीम को तत्काल बंद किया जाए।
3. सेक्टर-9 हॉस्पिटल और 3 विभागों के निजीकरण पर रोक लगे।
4. बीएसपी स्कूलों को लीज पर देने और पॉलिसी पर रोक।
5. नियमित भर्ती जारी हो और छत्तीसगढ़ के लोगों को प्राथमिकता मिले।
6. टाउनशिप में सीवरेज, पानी, सड़क की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी जाए।

चरित्र पर संदेह कर प्रेमी ने की युवती की हत्या, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

पहले दुपट्टे से गला घोंटा और फिर पहचान छिपाने के लिए शव को पानी भरे खेत में फेंक दिया

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

खमतराई क्षेत्र में 4 साल पुराने प्रेम संबंध के शक में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने पहले दुपट्टे से गला घोंटा और फिर पहचान छिपाने के लिए शव को पानी भरे खेत में डुबो दिया।

खमतराई पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डब्ल्यूआरएस स्थित सोलापुरी माता मंदिर के पीछे पानी से भरे खेत में एक अज्ञात युवती का शव मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का निरीक्षण किया तो गले पर दबाव के निशान मिले। शव की पहचान नंदिनी जाल उर्फ नंदिनी जैन, 19 वर्ष, निवासी सिया रेसीडेंसी, एमएमआई अस्पताल के पीछे के रूप में हुई।

पोस्टमार्टम और साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि पहले युवती के मुंह में दुपट्टा ठूंसा गया, फिर उसी दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की गई और शव को पानी में डुबो दिया गया। इस पर थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 751/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान मृतका के परिजनों ने उसके प्रेमी करण तांडी, 23 वर्ष, निवासी त्रिमूर्ति नगर, देवेंद्र नगर पर संदेह जताया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 4 साल पहले इंस्टाग्राम से दोनों की दोस्ती हुई थी जो प्रेम में बदल गई। दोनों करीब 6 महीने साथ भी रहे थे। बाद में नंदिनी उससे अलग रहने लगी थी। इसी को लेकर आरोपी उसके चरित्र पर शक करने लगा था।

3 अगस्त की शाम करीब 6 बजे नंदिनी उससे मिलने डब्ल्यूआरएस कॉलोनी पहुंची थी। वहां अन्य युवकों से संबंध को लेकर दोनों में विवाद हुआ। गुस्से में आरोपी ने पहले दुपट्टा मुंह में ठूंसा, फिर गला घोंटा और हत्या पक्की करने के लिए सिर पानी में डुबो दिया। वारदात के बाद वह फरार हो गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य के सबसे बड़े अस्पताल में बड़ी लापरवाही

गंभीर हालत में पहुंची मरीज को बिना पर्ची एडमिट करने से किया इंकार, एम्बुलेंस में तड़पती रही मां

नई दृष्टिबिंदु/ रायपुर

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. बी.आर. अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल मेकाहारा में मानवता को शमर्सार करने वाला मामला सामने आया है। यहां गंभीर हालत में पहुंची एक मरीज को सुबह 9 बजे से पहले पर्ची नहीं कटने का हवाला देकर भर्ती करने से इंकार कर दिया गया। नतीजन मरीज की बेटे को अपनी मां को घंटों एम्बुलेंस में रखकर तड़पने को मजबूर होना पड़ा।

पीड़ित बेटे ने बताया कि उसकी मां की हालत बेहद गंभीर थी। एम्स रायपुर से ऑक्सीजन लगाकर उसे एम्बुलेंस से मेकाहारा रेफर किया गया था। लेकिन मेकाहारा अस्पताल पहुंचने पर प्रबंधन ने बिना पर्ची के एडमिट करने से साफ इंकार कर दिया। अस्पताल कर्मियों ने कहा कि सुबह 9 बजे से पहले ओपीडी पर्ची नहीं कटती। इसी वजह से गंभीर मरीज को भी गेट के सामने एम्बुलेंस में ही रखा गया।

सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि प्रदेश का शीर्ष रेफरल संस्थान एम्स खुद मरीजों को मेकाहारा रेफर करता है, लेकिन मेकाहारा में ही उन्हें बुनियादी इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। बेटे का आरोप है कि मां की हालत बिगड़ती रही और अस्पताल प्रबंधन नियमों का हवाला देता रहा।

सवालों के घेरे में अस्पताल प्रबंधन

इस घटना ने एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इमरजेंसी में भी पर्ची और समय का इंतजार कराना क्या उचित है? गंभीर मरीजों के लिए क्या अस्पताल में कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है? फिलहाल पीड़ित परिवार ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

भिलाई में अवैध बैनर-पोस्टर हटाने का अभियान जारी, निगम-पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रमुख चौक-चौराहों एवं सड़कों के बीच लगे विद्युत एवं अन्य पोल पर लगाए गए सामाजिक, राजनीतिक तथा अवैध बैनर-पोस्टर को हटाने का अभियान लगातार जारी है। निगम प्रशासन द्वारा ऐसे बैनर-पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है, जो शहर की सुंदरता को प्रभावित करने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था के लिए भी परेशानी का कारण बन रहे हैं।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं व्यस्त सड़कों पर लगाए गए बैनर-पोस्टर राहगीरों और वाहन चालकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इससे वाहन चलाते समय सड़क से ध्यान भटकने की संभावना रहती है, जिसके कारण सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा विद्युत पोल, डिवाइडर एवं सड़क किनारे अनाधिकृत रूप से लगाए गए प्रचार सामग्री से शहर का स्वरूप भी प्रभावित होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों का निरीक्षण कर अवैध रूप से लगाए गए बैनर-पोस्टर को हटाने की कार्रवाई की गई। टीम द्वारा पोल, सड़क किनारे तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए प्रचार सामग्री को निकालकर मार्गों को व्यवस्थित किया गया।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, विद्युत पोल एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य शहर की सुंदरता बनाए रखने के साथ ही यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाना है। नगर निगम द्वारा नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक संगठनों से अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत रूप से बैनर-पोस्टर न लगाएं तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

दुर्ग-धमधा रोड हत्या और लूट का 48 घंटे में खुलासा

100 से अधिक सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 1 आरोपी व 3 नाबालिग अभिरक्षा में

नई दृष्टिबिंदु/भिलाईनगर

दुर्ग-धमधा रोड पर हुई लूट और हत्या के ब्लाइंड मर्डर का दुर्ग पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। थाना पुलगांव अंतर्गत चौकी जेवरा सिरसा पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद एक आरोपी और तीन विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया है।

देर रात करीब 2 बजे *प्रार्थी चोवाराम लोधी, निवासी ग्राम तुमाकला, अपने साथी *भूषण पटेल और *प्रकाश सिंह कश्यप* के साथ मोटरसाइकल 128 से शंकराचार्य अस्पताल जा रहे थे। दुर्ग-धमधा रोड स्थित *जय गजानंद ट्रक श्रृंगार* के सामने काले रंग की डिस्कवर मोटरसाइकल में सवार चार युवकों ने उन्हें रोककर विवाद शुरू कर दिया।

आरोपियों ने डंडों से मारपीट की और प्रकाश सिंह कश्यप की जेब से मोबाइल और नगदी लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर एक आरोपी ने प्रकाश सिंह पर धारदार हथियार से लगातार वार कर दिया। हमलावर प्रार्थी और उसके साथी से लगभग 4 हजार रुपये लूटकर धमधा की ओर फरार हो गए।

सूचना पर डायल-112 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल प्रकाश सिंह को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले में चौकी जेवरा सिरसा में अपराध क्रमांक 691/2026 धारा 103(1), 311, 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस ने घटनास्थल से लेकर दुर्ग, भिलाई, धमधा मार्ग तक लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। कई घंटे फुटेज का मिलान कर संदिग्ध मोटरसाइकल की आवाजाही और रूट का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आदर्श उर्फ लाल, उम्र 19 वर्ष, निवासी कादम्बरी नगर, मोहन नगर और तीन विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपराध स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकल, धारदार हथियार, पाइप, डंडा और लूटी गई नगदी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी देर रात सुनसान सड़क पर राहगीरों को रोककर पहले विवाद करते थे। फिर मारपीट कर मोबाइल-नगदी लूटते थे। विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर फरार हो जाते थे। हत्या लूट का विरोध करने के कारण हुई। दुर्ग पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या कंट्रोल रूम को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीतकर ज्ञानेश्वरी यादव ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का गौरव

भाजयुमो बेमेतरा ने दी बधाई, सरकार ने की 30 लाख और डीएसपी पद की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु/बेमेतरा

ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 की महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने रजत पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला बेमेतरा ने उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विजय वर्मा ने कहा कि ज्ञानेश्वरी की यह ऐतिहासिक सफलता पूरे प्रदेश के युवाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा है।

पहले ही राष्ट्रमंडल में रचा इतिहास

विजय वर्मा ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 199 किलोग्राम भार उठाकर रजत पदक जीता। यह उनकी वर्षों की कठोर साधना, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता साबित करती है कि समर्पण और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

सरकार ने की प्रोत्साहन राशि और नौकरी की घोषणा

उन्होंने कहा कि *मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय* के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को लगातार प्रोत्साहन दे रही है। ज्ञानेश्वरी यादव को 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि और आउट ऑफ टर्न *डीएसपी पद* देने की घोषणा की गई है। यह निर्णय प्रदेश के हजारों खिलाड़ियों में नया उत्साह भरेगा।

विजय वर्मा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में भाजपा सरकार की खेलोन्मुखी नीतियों के कारण ही छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। आज बेटियां खेल, शिक्षा, विज्ञान और प्रशासन हर क्षेत्र में देश का नाम ऊंचा कर रही हैं।

युवाओं के लिए संदेश

भाजयुमो अध्यक्ष ने कहा कि ज्ञानेश्वरी की उपलब्धि केवल एक पदक नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि कठिन परिस्थितियां भी सफलता का रास्ता नहीं रोक सकतीं। लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो विश्व मंच पर भी सफलता मिलती है। उन्होंने विश्वास जताया कि ज्ञानेश्वरी यादव भविष्य में ओलंपिक, एशियाई खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का तिरंगा बुलंद कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएंगी।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) प्रमाणित सामग्री का ही करें क्रय: कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु/बेमेतरा

भारत सरकार द्वारा राजपत्र के माध्यम से जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्वालिटी कंट्रोल आर्डर - दउड) के अनुपालन में जिला बेमेतरा के समस्त शासकीय विभागों को सामग्री क्रय में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, जिला बेमेतरा अंतर्गत संचालित सभी विभाग किसी भी प्रकार की सामग्री, उपकरण अथवा उत्पाद का क्रय करते समय भारतीय मानक ब्यूरो (इक्र) द्वारा प्रमाणित (इक्र उी१ ३ाी) सामग्री का ही क्रय सुनिश्चित करेंगे। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के अंतर्गत अधिसूचित उत्पादों के लिए निर्धारित भारतीय मानकों का पालन अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा क्रय से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी प्रकार की सामग्री की खरीद से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित उत्पाद पर भारतीय मानक ब्यूरो का वैध प्रमाणन (क्रक/इक्र ट१') उपलब्ध हो। गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सामग्री का उपयोग न केवल कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा, बल्कि सार्वजनिक धन के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग को भी बढ़ावा देगा। सभी विभागों से अनुरोध किया गया है कि भारत सरकार के गुणवत्ता नियंत्रण आदेश का अक्षरशः पालन करते हुए केवल मानक एवं प्रमाणित सामग्री का ही क्रय करें तथा क्रय प्रक्रिया में गुणवत्ता, पारदशिर्ता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।

हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन

संपादकीय...

सरकार का उच्चतम नेतृत्व यदि किसी वैज्ञानिक को शोध एवं अनुसंधान की पूरी स्वतंत्रता दे, देश की समस्याओं के समाधान के लिए उसके संकल्प पर विश्वास करे और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए, तो वह वैज्ञानिक अपनी पूरी ऊर्जा राष्ट्र के उत्थान में समर्पित कर सकता है। इस सत्य को साकार किया 1960 के दशक में किसानों के मसीहा बने कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन ने। हरित क्रांति के माध्यम से उन्होंने भारत को भुखमरी से बचाया और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। देश उनका सदैव ऋणी रहेगा।

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा / शिक्षाविद

1960 के दशक में बढ़ती जनसंख्या, सूखा और अकाल ने भारत की खाद्यान्न स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया था। 1965-66 के भीषण सूखे ने संकट को और गहरा कर दिया। पारंपरिक खेती पुराने बीजों, वर्षा पर निर्भरता और सीमित सिंचाई पर आधारित थी, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन बहुत कम रहता था। 1970 के दशक के आरंभ तक भारत अपने नागरिकों का पेट भरने के लिए विदेश से आयातित अनाज पर निर्भर था। अमेरिका से पीएल-480 योजना के तहत गेहूँ मँगाना पड़ता था। उस समय देश की सबसे बड़ी आवश्यकता थी—खाद्यान्न उत्पादन को कई गुना बढ़ाना। यदि ऐसा न होता, तो भूख और खाद्य असुरक्षा गंभीर संकट बन सकती थी।

हरित क्रांति की नींव

इसी चुनौतीपूर्ण काल में डॉ. मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने अमेरिका के कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग के सहयोग से भारत के वातावरण के अनुकूल उच्च उपज वाली गेहूँ की किस्में विकसित करने का कार्य शुरू किया। बोरलॉग से मैक्सिकन अर्ध-बौनी किस्में प्राप्त की गईं और भारत में उनकी व्यवहार्यता का परीक्षण किया गया। ये किस्में उच्च उपज देने वाली होने के साथ-साथ रोग-प्रतिरोधी भी साबित हुईं। स्वामीनाथन ने विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा के किसानों को इन किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि इन राज्यों में गेहूँ की खेती के लिए अनुकूल जलवायु थी।

1966 में उन्होंने भारतीय सरकार को मैक्सिको से 18,000 टन उच्च उपज वाले बीज खरीदने के लिए राजी किया। इन बीजों के आने के साथ ही भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ हुआ। परिणाम चमत्कारी रहे। मैक्सिकन गेहूँ की किस्में अपनाने वाले किसानों की पैदावार और मुनाफा तेजी से बढ़ा। भारत का गेहूँ उत्पादन 1964 में लगभग 12 मिलियन टन से बढ़कर 1970 में लगभग 20 मिलियन टन हो गया। इसके बाद सरकार ने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर घोषित कर दिया।

आधुनिक कृषि पद्धतियाँ—उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग, उन्नत सिंचाई तकनीकें तथा मशीनीकरण—इसके बाद देश के अधिकांश राज्यों में तेजी से अपनाई जाने लगीं। गेहूँ उत्पादन में सफलता ने चावल की खेती में भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। स्वामीनाथन ने चावल की कई उन्नत किस्में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे चावल उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारकर आत्मनिर्भर बनाया और खाद्य सुरक्षा को मजबूत नींव प्रदान की। सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य भंडारण व्यवस्था सुदृढ़ हुई। आज भारत विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है।

एवरग्रीन रिवोल्यूशन

हरित क्रांति ने क्रांतिकारी बदलाव लाया, किंतु कई चुनौतियाँ भी खड़ी कीं। इसका लाभ मुख्यतः पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे सिंचित क्षेत्रों तक सीमित रहा। छोटे और सीमांत किसानों को अपेक्षाकृत कम लाभ मिला। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई, भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ, जैव विविधता घटी और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा। कृषि लागत भी बढ़ गई।

इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्वामीनाथन ने ह्लएवरग्रीन रिवोल्यूशनह्व (सदाबहार क्रांति) का विचार प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत कम पानी में अधिक उत्पादन, जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तथा छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। उद्देश्य था—प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।

जीवन परिचय

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु के कुंभकोणम में एक कृषक परिवार में हुआ। बचपन से ही उन्होंने कम फसल उत्पादन के कारण कर्ज के बोझ तले दबे किसानों की गरीबी को प्रत्यक्ष देखा। परिवार उन्हें सर्जन बनाना चाहता था, किंतु 1943 के बंगाल अकाल (जिसमें लाखों लोग मारे गए) ने उन्हें भारत के खाद्य संकट से निपटने के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप उन्होंने कृषि विज्ञान में करियर चुना।

1944 से 1954 तक के शैक्षणिक सफर में उन्होंने आनुवंशिकी और पादप प्रजनन में डॉक्टरेट तथा पोस्ट-डॉक्टरेट सहित कई डिग्रियाँ प्राप्त कीं। 1949 में यूनेस्को ने आलू की फसल को पाले और कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाने के शोध के लिए उन्हें फैलोशिप दी। 1954 में उन्होंने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में कार्य आरंभ किया, जहाँ उनका अधिकांश शोध उर्वरकों और उन्नत किस्मों के माध्यम से चावल तथा गेहूँ के उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित रहा।

1950 के दशक में मेक्सिको में नॉर्मन बोरलॉग की सफलता के बारे में जानकर वे प्रेरित हुए। बोरलॉग द्वारा विकसित अर्ध-बौनी गेहूँ की किस्मों ने मेक्सिको को आयात-निर्भर देश से आत्मनिर्भर गेहूँ उत्पादक में बदल दिया था। इसी सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने भारत में हरित क्रांति की नींव रखी।

पद और जिम्मेदारियां

स्वामीनाथन 1961 से 1972 तक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक, 1972 से 1979 तक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक तथा 1982 से 1988 तक फिलीपींस के लॉस बान्योस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक रहे। वे प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ के अध्यक्ष तथा 1989 से 1996 तक विश्व वन्यजीव कोष (भारत) के अध्यक्ष भी रहे। 2004 से 2006 तक राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष और 2007 से 2013 तक राज्यसभा सदस्य रहे। 1988 में उन्होंने एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की, जो स्वयं को गरीब-समर्थक, महिला-समर्थक और प्रकृति-समर्थक संगठन के रूप में परिभाषित करता है तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

सम्मान

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को उनके अमूल्य योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया। भारत सरकार ने उन्हें 1967 में पद्म श्री, 1972 में पद्म भूषण तथा 1989 में पद्म विभूषण से विभूषित किया। 1971 में फिलीपींस की रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन द्वारा उन्हें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया। 1986 में विश्व सांस्कृतिक परिषद, मेक्सिको ने उन्हें अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया। 1987 में विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उन्हें विश्व खाद्य पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2000 में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट ने शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया। अंततः 2024 में भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया।

28 सितंबर 2023 को 98 वर्ष की आयु में चेन्नई स्थित अपने घर में वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जीवन और कार्य भारत की खाद्य सुरक्षा की कहानी का अभिन्न अंग हैं। उनका मानना था—ह्लभविष्य उन देशों का है जिनके पास अनाज है, न कि बंदूकें ह्व उनके योगदान ने अनगिनत किसानों को गरीबी से बाहर निकाला और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। वे जीवन भर किसानों के अधिकारों के समर्थक और भूख के खिलाफ संघर्षरत रहे। उनका जन्मदिन हमें न केवल उन्हें याद करने का अवसर देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि विज्ञान जब करुणा और राष्ट्रप्रेम से जुड़ता है, तो वह इतिहास रचता है।

विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उन्हें विश्व खाद्य पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2000 में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट ने शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया। अंततः 2024 में भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया। 28 सितंबर 2023 को 98 वर्ष की आयु में चेन्नई स्थित अपने घर में वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जीवन और कार्य भारत की खाद्य सुरक्षा की कहानी का अभिन्न अंग हैं। उनका मानना था—ह्लभविष्य उन देशों का है जिनके पास अनाज है, न कि बंदूकें ह्व उनके योगदान ने अनगिनत किसानों को गरीबी से बाहर निकाला और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। वे जीवन भर किसानों के अधिकारों के समर्थक और भूख के खिलाफ संघर्षरत रहे। उनका जन्मदिन हमें न केवल उन्हें याद करने का अवसर देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि विज्ञान जब करुणा और राष्ट्रप्रेम से जुड़ता है, तो वह इतिहास रचता है।

कविता का कोना

राधा की पीड़ा

सुना है, बहुत सुंदर है वो, क्या
मुझसे भी अधिक सुंदर है वो?
उद्धव ने कहा था, रुक्मिणी नाम
ही उसका, कृष्ण की विवाहिता
है।
क्या मुझसे भी अधिक आकर्षक
है वो?
क्या मुझ जितनी बदनामी सही है
उसने?
क्या मुझ जितनी पीड़ा सही है
उसने?
कृष्ण को सिर्फ एक पत्र लिखकर उसकी हो बैठी।
क्या कभी राधा की बराबरी करी है उसने?
कैसे करेगी? कभी न कर पाएगी!
जितने अश्रु मैंने उस ग्वाले के लिए बहाए हैं, वो द्वारिकाधीश के लिए
कभी न बहा पाएगी।
कृष्ण के आगे क्या कभी वो राधा बन पाएगी?
चलो, प्रयास करूँगी इस नए विष को पीने का।
कृष्ण पर होगा अधिकार किसी का, प्रयास करूँगी इस सच को जीने
का।
प्रयास करूँगी मुझे ईर्ष्या न हो, रुक्मिणी, तुमसे।
वो भी करूँगी जो कभी न हो सकेगा।
किसी प्रेयसी से क्षमा करूँगी।
हाँ, हाँ! क्षमा करूँगी।
तुम मेरे प्रिय की प्रिया हो।
मैं देवी बनकर भी लाचार हूँ, तुम लाचार
बनकर भी कृष्ण की।
तुम कृष्ण की आज पटरानी हो, मैं चन्नू
मिट्टी वन की।
तुम्हें कृष्ण पर आधिपत्य मिला हो, मुझे
कृष्ण-नाम पर अधिकार।
सब पुकार रहे मेरा नाम कृष्ण संग।
जाओ, रुक्मिणी... क्षमा किया।

कविता की रचनाकार
सिमरप्रीत कौर अरोरा
(कक्षा 12वीं एफ), डीपीएस

भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे

***नि*या के संभवतः किसी दूसरे देश में नैतिकता की उतनी बात नहीं होती होंगी, जितनी भारत में होती हैं। भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे। भारत में तो एक सतयुग ही था, जिसमें सत्य हरिश्चंद्र थे। लेकिन यह भी सही है कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे, करुणा, दया आदि से जितनी दूरी भारत में है उतनी शायद ही कहीं और होगी। इस पर लंबी बहस हो सकती है। इसलिए उसमें जाने की जरुरत नहीं है। लेकिन दुनिया के जिन देशों में सत्य और नैतिकता आदि का ढोल रोज नहीं बताया जाता है वहां लोग ज्यादा नैतिक होते हैं। वहां लोग नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं और अगर कोई अपराध किया है तो उसे भी स्वीकार करके सजा पाते हैं। भारत में कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेता है और अपराध करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति भी अदालत में खड़े होकर कहता है कि वह बेकसूर है और उसका पूरा परिवार और ज्यादातर मामलों में पूरी जाति उसके बचाव में खड़ी होती है।**

भारत की राजनीति में भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने का कोई सिद्धांत नहीं रहा है। नैतिक जिम्मेदारी लेकर कुछ मंत्रियों आदि ने जरूर इस्तीफे दिए, जिनकी आज तक चर्चा होती है। लाल बहादुर शास्त्री, माधवराव सिंधिया या नीतीश कुमार का जिक्र किया जाता है। यह संयोग है कि इन तीनों के इस्तीफे ट्रेन दुर्घटना को लेकर हुए थे। इनके रेल मंत्री रहते ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं और उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया। यह अलग बात है कि रेल मंत्रालय में विफल होने के बाद भी इन सभी लोगों को दूसरे मंत्रालयों में अहम जिम्मेदारी मिली। लाल बहादुर शास्त्री तो बाद में प्रधानमंत्री बने। बहरहाल, भारत में गंभीर से गंभीर विफलता या आर्थिक अपराध में शामिल होने के आरोपों के बाद भी इस्तीफा कराना बड़ा मुश्किल होता है। आर्थिक अपराध के मामलों में तो अब गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी नेता इस्तीफा नहीं देते हैं। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने कमाल की मिसाल बनाई। वे कई महीने जेल में रहे और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। हेमंत सोरेन ने थोड़ी शर्म दिखाई और गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले इस्तीफा दे दिया। अगर गिरफ्तारी की बाध्यता नहीं होती तो वे भी इस्तीफा नहीं देते।

सवाल है कि ऐसा क्यों होता है कि भारत में केंद्र या राज्य का मंत्री या मुख्यमंत्री किसी भी विवाद में फंसने या अपनी कैसी भी विफलता के बाद इस्तीफा नहीं देते हैं? इसे दो पहलुओं से देख सकते हैं। एक आपराधिक मामला और दूसरा विफलता व नैतिकता का मामला। जहां तक आपराधिक मामलों में फंसने पर इस्तीफे का सवाल है तो वह इसलिए आसानी से नहीं होता है क्योंकि भारत में पहले से जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं ऐसे, सैकड़ों लोग सांसद और विधायक चुने गए हैं। सवाल है जब गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने और उनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बावजूद जनता उनको चुन देती है तो चुने जाने के बाद किए गए किसी अपराध के लिए वे क्यों इस्तीफा देंगे? जब जनता ने उनको सांसद चुन दिया है तो वे केंद्र में मंत्री बनने के योग्य हैं और जनता ने विधायक चुना है तो वे राज्य में मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। ऐसे में उनके और जनता के बीच में नैतिकता की बात कहां से आ गई! उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि जानने के बाद भी अगर जनता ने चुना है तो वे वैसे ही किसी अन्य अपराध के मामले में भी क्यों इस्तीफा देंगे? तभी भारत में ऐसे मामलों में भी जोर जबरदस्ती ही इस्तीफा होता है। गिरफ्तार होने या गिरफ्तारी की नौबत आने या पार्टी व सरकार के प्रमुख की ओर से राजनीतिक नुकसान की आशंका देख कर दबाव डालने के बाद ही इस्तीफा होता है। अब रही जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता की बात तो उसमें भी आजादी के बाद से ही यह परंपरा चलती आ रही है कि इस्तीफा जोर जबरदस्ती ही होगा। ध्यान रहे भारत में पहला हाई प्रोफाइल इस्तीफा वीके कृष्ण मेनन का हुआ था। चीन के साथ युद्ध में भारत की हार के बाद तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन पर दबाव था कि वे इस्तीफा दें। लेकिन वे इस्तीफा देने को तैयार नहीं थे। जब जन दबाव बहुत बढ़ा तो अंत में उन्होंने इस्तीफा दिया। हालांकि जयराम रमेश ने उनके जीवन पर एक किताब लिखी है, 'अ चेकर्ड ब्रिलियंसः द मेनी लाइव्स ऑफ वीके कृष्ण मेननइ, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कृष्ण मेनन तो बहुत पहले इस्तीफा देने को तैयार थे लेकिन उन्हें रोका गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू मानते थे कि चीन के साथ युद्ध में पराजय का मेनन से कोई संबंध नहीं है।

फिर वे क्यों इस्तीफा देंगे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर चल रही बातें सुन कर क्या कृष्ण मेनन के इस्तीफे की कहानी से समानता नहीं दिखती है? ध्यान रहे पिछले कई दिनों से कहा जा रहा है कि धर्मेंद्र प्रधान तो बहुत पहले इस्तीफा देना चाहते थे। लेकिन प्रधानमंत्री को लगता था कि पेपर लीक होने से उनका कोई लेना देना नहीं है, बल्कि उन्होंने तो पेपर लीक होने के तुरंत बाद सक्रियता दिखाई। सारे आरोपी पकड़े गए और रिकॉर्ड समय में दोबारा परीक्षा करा ली गई ताकि छात्रों का एक साल बरबाद न हो। इसके बाद भी उनका इस्तीफा हुआ तो उसका कारण यही है कि जन दबाव बहुत बढ़ गया यानी जोर जबरदस्ती से ही उनका इस्तीफा हुआ। सोचें, पेपर लीक कितनी बड़ी विफलता है! एक मंत्री के कार्यकाल में दो बार नीट यूजी जैसी विशाल अखिल भारतीय परीक्षा के पेपर लीक हो जाएं तो उससे बड़ी विफलता क्या हो सकती है? आश्चर्य यह है कि 2024 के शुरू में बजट सत्र में पेपर लीक का कठोर कानून बना था और मई में पेपर लीक हो गया, उसके बाद भी जून में जब नई सरकार बनी तो फिर धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बना दिया गया! फिर 2026 के मई में नीट यूजी की परीक्षा का पेपर लीक हो गया और धर्मेंद्र प्रधान कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं थे। यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं है। यह भारत की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था का मामला है, जहां हर व्यक्ति चाहता है कि जवाबदेही और नैतिकता का तकाजा दूसरे पर लागू हो। अपनी जवाबदेही और नैतिकता का ध्यान किसी को नहीं रहता है। जोर जबरदस्ती न हो तो न वीके कृष्ण मेनन का इस्तीफा होता और न धर्मेंद्र प्रधान का। याद करें कैसे कारगिल युद्ध के समय ताबूत घोटाला खुला था और तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज ने कितनी मुश्किल से इस्तीफा दिया था। ऐसे ही दबाव नहीं होता और पार्टियों को चुनावी नुकसान का भय नहीं होता तो न ए राजा इस्तीफा देते और न अशोक चव्हाण की विदाई होती। महिलाओं का दबाव नहीं होता तो एमजे अकबर का भी इस्तीफा नहीं होता।

दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर कॉकरोच की पहचान के साथ उभरा

2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर कॉकरोच की पहचान के साथ उभरा। कभी 'सांप-संपेरों के हिंदुस्तान की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आथिर्की, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत 'कॉकरोचइ है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी 'कॉकरोचइ है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए 'कॉकरोचइ फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को 'विश्वगुरुइ, 'लोकतंत्र की जननीइ, 'विकसित भारतइ और 'विश्वबंधुइ बताता है, वहां 'कॉकरोचइ है, 'कॉकरोच राजनीतिइ है, 'कॉकरोच आथिर्कीइ है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेज ?ुक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से 'कॉकरोचइ परजीवी होने की तख्ती मिली! बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है।

तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का 'कॉकरोचइ वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर 'कॉकरोचइ का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा-अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है।

जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, 'एनिमल फार्मइ। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े-मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा। इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) 'कॉकरोचइ करार देना नए भारत के वतर्मान और भविष्य की दशा-दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक-स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते-भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? 'कॉकरोचइ (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे 'कॉकरोच भारतइ! याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा-देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया। अंत में अब 'कॉकरोचइ (क्योंकि परजीवी) का लेबल! बारह वर्षों में न नागरिकों को पुरुषार्थी और स्वाभिमानी बनाया, न ही उन्हें समान अवसर दिए, मगर उन्हें कॉकरोच बना दिया!

पता है, दुनिया में 'कॉकरोचइ शब्द नरसंहार का संदर्भ लिए हुए है। अफ्रीका के देश रवांडा में तुत्सी समुदाय को 'कॉकरोचइ कहा गया था। फिर उन पर कहर बरपा और वह शब्द नरसंहार की राजनीति का भी प्रतीक बना। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवाधिकार अध्ययनों में ऐसी भाषा को अमानवीकरण (अर्थात मनुष्य को मनुष्य न मानने वाली भाषा) के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसे ही हिटलर ने यहूदियों को मारने के लिए उन्हें 'चूहाइ कहा था। और गुजरे सप्ताह हिंदू लड़के-लड़कियों पर जब पैलेट गन से छर्रे मारे गए, तभी भक्त चेहरों के ये वाक्य भी छपे थे कि देश से 'कॉकरोचों को खत्म करने का स्थायी इंतजामइ हो। या 'कॉकरोचोंइ के पीछे 'विदेशी ताकतेंइ, 'खालिस्तानी संगठनइ, 'बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी की ताकतेंइ, 'पाकिस्तान समर्थित ताकतेंइ और 'सोरोस फाउंडेशनइ हैंइ! क्या यह रवांडा के पागलों जैसी भाषा नहीं है? गंवार हिंदू राष्ट्रवादियों को इतनी भी समझ नहीं है कि राष्ट्रों की प्रतिष्ठा अर्थव्यवस्था, सेना या चुनावों से नहीं बनती; बल्कि प्राथमिक कसौटी यह है कि वहां की सरकार अपने सामान्य नागरिक के साथ कैसा व्यवहार करती है? दक्षिण अफ्रीका वर्षों तक रंगभेद से कलंकित रहा। ऐसे ही सैन्य दमन से म्यांमार की पहचान मानवता का कलंक थी और है। चीन और रूस भले महाशक्ति हों, लेकिन ये मनुष्यों पर तानाशाही की स्थायी पहचान वाले देश हैं।

सोचें, नरेंद्र मोदी ने अपनी ब्रांडिंग के लिए विश्व की राजधानियों में जाकर क्या-क्या तमाशे नहीं किए? जी-20 सम्मेलन से लेकर 'भारत मंडपमइ, योग दिवस, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों आदि पर बेहिसाब पैसा उड़ेला। बारह वर्षों से सरकार सिर्फ और सिर्फ प्रोपेगंडा मोड में है।

लेकिन भारत की सरकार को, उसके नेता को यह पता नहीं है कि विज्ञापनों, भाषणों, मीडिया और प्रोपेगंडा से इमेज नहीं बनती। राष्ट्र स्तर पर वह उस सार्वजनिक व्यवहार से बनती है, जिसे दुनिया के अलग-अलग पैमाने और इंडेक्स समय-समय पर मानव समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं।

खाद्य विभाग की दबिश, पीडीएस गोदाम से ट्रक में लोड हो रहा था राशन, 378 बोरी चावल जब्त

नई दृष्टिबिंदु। जगदलपुर।

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीब एवं पात्र हितग्राहियों के लिए आवंटित सरकारी फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) की कथित हेराफेरी का बड़ा मामला सामने आया है। खाद्य विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 378 बोरी फोर्टिफाइड चावल जब्त किए। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि सरकारी चावल को अवैध रूप से खुले बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी।

खाद्य नियंत्रक घनश्याम सिंह राठौर को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने शहर के एक गोदाम पर छापेमारी की। मौके पर पाया गया कि पीडीएस का चावल ट्रक में लोड कर बाहर भेजने की तैयारी चल रही थी। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक सहित पूरा माल जब्त कर लिया। मामले को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

जांच के दौरान गोदाम संचालक ने अधिकारियों को यह कहकर भ्रमित करने की कोशिश की कि गोदाम खाली है और वहां कोई गतिविधि नहीं चल रही। हालांकि, टीम ने सतर्कता बनाए रखते हुए निरीक्षण जारी रखा और ट्रक में चावल लोड होते हुए पकड़ लिया। इसके बाद

परिवहन तत्काल रुकवाकर पूरा माल जब्त कर लिया गया।

कार्रवाई में कुल 378 बोरी फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) बरामद किए गए। इनमें 88 बोरी सरकारी बारदाने में तथा 290 बोरी प्लास्टिक के बोरों में भरी हुई थीं। जब्त चावल के स्रोत, आवंटन और परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में व्यापारी मोहम्मद जिलानी का नाम सामने आया है। आरोप है कि वह दुकानों और साप्ताहिक बाजारों के माध्यम से सरकारी चावल की अवैध खरीदी-बिक्री में संलिप्त था। जब्त ट्रक नागपुर निवासी एक व्यक्ति का बताया जा रहा है, जिसे स्थानीय स्तर पर किराए पर लिया गया था।

जब्त चावल को जवाहर नगर वार्ड में सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है, जबकि ट्रक को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। कार्रवाई में दिव्या रानी, पायल वर्मा, उमेश चौधरी, तोरण नेताम और हेमंत ब्रह्मभट्ट सहित खाद्य विभाग के अधिकारी शामिल रहे। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध प्रचलित कानूनों के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बस्तर में इससे पहले भी गरीबों के हिस्से के राशन की हेराफेरी तथा निम्न गुणवत्ता वाले चावल के वितरण के मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में 378 बोरी एफआरके चावल की बरामदगी ने एक बार फिर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी रोकने के लिए नियमित निरीक्षण, डिजिटल ट्रैकिंग, आपूर्ति श्रृंखला की सख्त निगरानी और दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

144 नशीली कैप्सूल के साथ आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। जिले की थाना कोतवाली पुलिस ने नशीली कैप्सूल बेचने वाले एक आरोपी भोला बघेल (28), निवासी दंतेश्वरी वार्ड, जगदलपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध 144 नशीली कैप्सूल और एक हीरो स्पेंडर मोटर साइकिल जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दलपत सागर सुलभ के पास नशीली कैप्सूल बेचने के लिए खड़ा है। सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में गठित ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 18 स्ट्रीप, कुल 144 कैप्सूल बरामद हुई। इसके अलावा आरोपी के पास से हीरो स्पेंडर बाइक क्रमांक सीजी17 एलबी 0517 भी जब्त की गई।

कुकुर नदी का पानी बीएसएफ कैंप में घुसा, जवानों ने टीन शेड की छत व पेड़ों का लिया सहारा

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ में घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित बालेबेड़ा गांव में स्थापित सुरक्षा एवं जनसुविधा कैंप का है, जहां बीएसएफ की 86वीं बटालियन के जवान तैनात हैं। लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण क्षेत्र की नदी-नाले उफान पर हैं।

कैंप के समीप बहने वाली कुकुर नदी का जलस्तर अचानक इतना बढ़ गया कि पानी सीधे कैंप परिसर में घुस गया। देखते ही देखते पूरा परिसर जलमग्न होने लगा और जवानों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचने का अवसर तक नहीं मिल पाया। अपनी जान बचाने के लिए कई जवान आवासीय टीन शेड की छत पर चढ़ गए, जबकि कुछ ने आस-पास के पेड़ों का सहारा लिया। मिली जानकारी के अनुसार जवानों को कई घंटे तक इन्हीं ऊंचे स्थानों पर रहकर पानी कम होने का इंतजार करना पड़ा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चारों ओर बाढ़ का पानी और उसके बीच पेड़ व टीन की छत पर सुरक्षित बैठे जवान दिखाई दे रहे हैं नक्सलवाद की चुनौती कम होने के बावजूद यहां की भौगोलिक परिस्थितियां, दुर्गम जंगल, उफनती नदियां और अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाएं आज भी जवानों के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। यह दृश्य साफ बताता है कि अबूझमाड़ में तैनात सुरक्षाबल केवल सुरक्षा चुनौतियों का ही नहीं, बल्कि यह प्राकृतिक आपदाओं का भी डटकर सामना करते हैं।

शासकीय पालीटेक्निक, बीजापुर में प्रवेश हेतु अंतिम अवसर

बीजापुर। राज्य की पालीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छ0ग0 शासन के अधीन शासकीय पालीटेक्निक, बीजापुर में प्रवेश हेतु अंतिम एवं 4थे राउंड के प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन 31 जुलाई 2026 से 08 अगस्त 2026 तक किया जाना है। 12 अगस्त 2026 को मेरिट सूची जारी की जावेगी, तत्पश्चात प्रवेश की कार्यवाही 13 एवं 14 अगस्त 2026 को होगी। जिला बीजापुर में संचालित पालीटेक्निक में सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। काउंसिलिंग/रजिस्ट्रेशन की सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल नम्बर 9584846620, 9399971057 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है या अभ्यर्थी स्वयं संस्था में उपस्थित होकर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर ने सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को सौंपा पेंशन प्राधिकार पत्र

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्यानिकी विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी बिसराम कुलदीप माली के पद पर सेवा देने के पश्चात 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए। कलेक्टर नम्रता जैन के द्वारा उन्हें पेंशन प्राधिकार पत्र (पीपीओ) प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनके लंबे सेवाकाल की सराहना की। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया और महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने कुलदीप को पेंशन राशि का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह देते हुए स्वस्थ, सुखमय एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं दीं।

हाराडुला पुल के क्षतिग्रस्त होने से कभी भी घट सकता है बड़ा हादसा

नई दृष्टिबिंदु। कांकेर।

जिले के चारामा विकासखंड अंतर्गत ग्राम हाराडुला में महानदी पर बना पुल पिछले करीब एक वर्ष से क्षतिग्रस्त है। पुल की जर्जर स्थिति के बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रोजाना इससे आवागमन कर रहे हैं। लगातार हो रही बारिश और महानदी में बढ़ते जलस्तर के बीच पुल के और अधिक क्षतिग्रस्त होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों के अनुसार पुल को सबसे अधिक नुकसान अवैध रेत खनन और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण हुआ। समय बीतने के साथ पुल का क्षतिग्रस्त हिस्सा लगातार धंसता जा रहा है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पुल के दोनों ओर रेलिंग लगाकर चेतावनी बोर्ड स्थापित किए हैं और लोगों को पुल से आवागमन नहीं करने की सलाह दी है। इसके बावजूद कई लोग चेतावनी को नजरअंदाज कर मोटरसाइकिल और अन्य दोपहिया वाहनों से पुल पार कर रहे हैं। यह लापरवाही किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकती है। यह पुल क्षेत्र के कई गांवों को जोडने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्ग लंबा होने के कारण लोग मजबूरी में इसी पुल का उपयोग कर रहे हैं।

बीते दिनों हुई लगातार बारिश से महानदी सहित क्षेत्र की सभी नदियां और नाले उफान पर हैं। तेज बहाव के कारण पुल पर दबाव लगातार बढ़ रहा है और कटाव भी तेज हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत या नए पुल के निर्माण की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो बरसात के दौरान पुल के ढहने का खतरा बढ़ सकता है।

नक्सल पुनर्वास को नई गति देने कलेक्टर विश्वदीप ने की व्यापक समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु। बीजापुर।

कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय नक्सल पुनर्वास समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, पुनर्वास कार्यों की प्रगति तथा आत्मसमर्पित व्यक्तियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वदीप ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से सभी निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य मुख्यधारा में लौटने वाले व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन, आजीविका के अवसर तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और प्रत्येक प्रकरण का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने पुनर्वास प्राप्त हितग्राहियों को स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, बैंकिंग सेवाओं तथा अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों, जनपद पंचायतों एवं संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री उमेश प्रसाद गुप्ता ने पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रशासन एवं पुलिस के समन्वित प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों का पुनर्वास उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सभी प्रक्रियाओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ पूर्ण करने का आग्रह किया। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविन्द्र मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार झा, अपर कलेक्टर श्री भूपेन्द्र अग्रवाल, जिले के समस्त अनुभागों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डिप्टी तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पुनर्वास कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए विभागवार कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को सतर्क रहने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु। कोंडागांव।

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कार्यालय में पुलिस, राजस्व एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधनों के साथ पूर्णत: तैयार रहने तथा मेडिकल टीमों को भी अलर्ट मोड में रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन पुल-पुलियों पर जलस्तर बढ़ने से आवागमन प्रभावित हो, वहां तत्काल बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित करें। उन्होंने गांव-गांव में मुनादी कराकर लोगों को जलस्तर सामान्य होने तक नदी-नालों को पार नहीं करने तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही जर्जर स्कूल एवं आंगनबाड़ी भवनों में कक्षाओं का संचालन नहीं करने के सख्त निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैदानी अमला पूरी तरह सतर्कता के साथ कार्य करे तथा किसी भी घटना की सूचना तत्काल उपलब्ध कराए, ताकि समय पर राहत, बचाव एवं आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा, एसडीओपी रूपेश कुमार और आईटीबीपी एवं सीआरपीएफ के अधिकारी, पुलिस विभाग एवं होमगार्ड के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला स्तरीय अधिकारी बैठक से जुड़े।

25 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को दी गई विदाई कलेक्टर ने सौंपा पेंशन भुगतान आदेश

नई दृष्टिबिंदु। जगदलपुर।

जगदलपुर। जिले के कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में शुक्रवार को सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों का एक विशेष सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया, जहाँ विभिन्न शासकीय विभागों में अपनी दीर्घकालिक सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए 25 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शॉल व श्रीफल भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें पेंशन भुगतान आदेश और सेवानिवृत्ति लाभ संबंधी दस्तावेज सौंपे। कार्यक्रम में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अनिल कुमार पाठक सहित

सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी, उनके परिजन तथा कोषालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि वर्षों की लंबी शासकीय सेवा के बाद सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त होना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने रेखांकित किया कि विभिन्न विभागों में इन कर्मचारियों द्वारा निष्ठापूर्वक किए गए कार्यों से ही जिले का विकास संभव हो पाया है। कलेक्टर ने सेवानिवृत्त कर्मियों को जीवन की दूसरी पारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सेवा के दौरान शासकीय व्यस्तताओं के कारण कई बार परिवार और निजी कार्य रह जाते हैं। अब वह समय है जब सभी को अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहिए तथा अपने अधूरे कार्य पूरे करने चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि कर्मचारी केवल सेवानिवृत्त हुए हैं, थके नहीं हैं, इसलिए समाज और प्रशासन को अभी भी उनके लंबे अनुभव की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से कनिष्ठ सहयोगियों का मार्गदर्शन करने और एक सजग नागरिक के रूप में समाज के उत्थान में योगदान देने की अपील की। समारोह के अंत में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अनिल कुमार पाठक ने सभी का आभार व्यक्त किया, जहां परिजनों ने इस आत्मीय सम्मान के लिए जिला प्रशासन के प्रति गहरी कृतज्ञता जताई।

शीतल ने लाईवलीहुड ट्रेनिंग लेकर हुनर से बदली तकदीर

नई दृष्टिबिंदु। जगदलपुर।

जब उम्मीद का आखिरी चिराग टिमटिमाने लगे, तब इंसान का जज्बा ही उसे तूफानों से बाहर निकालता है। पिता स्वर्गीय फूलचंद बघेल का साया सिर से उठ जाने के बाद शीतल का परिवार गहरे आर्थिक संकट में घिर गया था। शीतल को 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद घर की तंगहाली, बेरोजगारी और भविष्य की चिंता उनके हर दिन को एक नई चुनौती बना रही थी। इसी घने अंधेरे के बीच उनके एक शिक्षक देवदूत बनकर सामने आए, जिन्होंने उनकी मायूसी को समझा और उन्हें जिला प्रशासन की अनूठी पहल जिला परियोजना आजीविका कॉलेज की राह दिखाई। आजीविका कॉलेज आड़ावाल की दहलीज पर कदम रखते ही काउंसलिंग के दौरान शीतल की जिंदगी को एक

नया मोड़ मिला। औजारों और बिजली के काम में उनकी रुचि को देखते हुए उन्हें असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन पाठ्यक्रम के लिए चुना गया। इसके बाद शुरू हुआ मेहनत और संघर्ष का असली अध्याय, जहाँ किताबों के साथ-साथ उनके हाथों ने पेचकस, प्लास और बिजली के तार थाम लिए। समाज की रूढ़िवादिता और राह की तमाम मुश्किलों को दरकिनार करते हुए शीतल ने हुनरमंद बनने के लिए दिन-रात एक कर दिया। धीरे-धीरे तारों का उलझा जाल उनके बढ़ते आत्मविश्वास का आधार बन गया और उन्होंने राज्य की कौशल परीक्षा में सफलता का परचम लहराया। शीतल की इस कड़ी मेहनत का फल उन्हें जगदलपुर के मधु इलेक्ट्रिकल में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन की नौकरी के रूप में मिला। आज जब उनके हाथों से बिजली का कनेक्शन जुड़ता है और बल्ब की रोशनी से कमरा जगमगाता है, तो वह केवल रोशनी नहीं, बल्कि उनके खुद के जीवन का उजाला होता है। हर महीने करीब नौ हजार रुपए कमाकर उन्होंने न केवल अपने परिवार की माली हालत को संभाला है, बल्कि अपनी आगे की पढ़ाई का खर्चा भी खुद उठाकर यह साबित किया है कि बेटियां किसी पर बोझ नहीं होतीं। अपनी इस अविश्वसनीय यात्रा पर अब शीतल गर्व से कहती हैं कि आजीविका कॉलेज के प्रशिक्षण ने उनके भीतर सोए आत्मविश्वास को जगाया है और आज वह रोजगार पाकर खुद अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं। साथ ही इस नई जिंदगी के लिए वे जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति अपना आभार व्यक्त करती हैं। शीतल की यह प्रेरक दास्तान आज हर उस युवा के लिए एक जलती हुई मशाल है, जो मुश्किलों से हार मानने के बजाय अपने हुनर के दम पर अपनी किस्मत खुद लिखना चाहते हैं।

फॉक्सकॉन कंपनी में 12 युवतियों का चयन, कलेक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दृष्टिबिंदु। जगदलपुर।

बस्तर की प्रतिभाएं अब देश के अग्रणी औद्योगिक मंचों पर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जिला प्रशासन बस्तर के सतत प्रयासों के फलस्वरूप जिले की 12 युवतियों का चयन विख्यात इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी फॉक्सकॉन बेंगलुरु में हुआ है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कलेक्टरेट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर आकाश छिकारा ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनके सफल, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना एवं सहायक कलेक्टर यशवंत नायक भी उपस्थित थे। संवाद के दौरान कलेक्टर आकाश छिकारा ने सभी चयनित बेटियों को बधाई देते हुए उनकी चयन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने युवतियों का हौसला बढ़ाते हुए आश्वस्त किया कि दूसरे शहर में कार्य करने के दौरान यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या या चुनौती का सामना करना पड़े, तो वे बिना किसी झिझक के तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन हर कदम पर उनकी सुरक्षा और सहयोग के लिए सदैव ढाल बनकर खड़ा रहेगा। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी चयनित युवतियों को शुभकामनाएं देते हुए कार्यस्थल पर पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से कार्य सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यहाँ प्राप्त बेहतर अनुभव भविष्य में प्रगति के नए और उत्कृष्ट अवसर दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। वहीं सहायक कलेक्टर ने चयनित युवतियों को निडर रहकर, पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और हर परिस्थिति में निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया।

घर की वॉल को दें बोल्ड लुक

टीवी शोज, मैगजीन्स, कमर्शियल्स, अपार्टमेंट्स और घरों में भी अक्सर दिखाई देने वाला गैलेरी वॉल ट्रेंड लगातार मशहूर हो रहा है। यह खाली दीवार को बोल्ड लुक देता है। शुरुआत खाली दीवार और कुछ खास पीसेस चुनकर की जा सकती है। यहां साइज और रंगों का चयन बहुत मायने रखेगा। अलग-अलग साइज में एक ही रंग के पीस लगाएंगे तो वॉल ज्यादा बिजी लुक नहीं देगी। बोल्ड रंग की दीवार पर सजा वॉल आर्ट व्हाइट या न्यूट्रल रंग की दीवार पर सजे वॉल आर्ट के मुकाबले काफी बेहतर लगता है। इस दीवार पर आप अपने फेवरेट रंग को सबसे ज्यादा हाइलाइट कर सकते हैं।

- **फोटोग्राफ्स** : समय के साथ ट्रेवलिंग पहले से कहीं ज्यादा मशहूर हो गई है। वेकेशन की यादों को वर्षों तक संजोए रखने के लिए अपनी कुछ खास फैमिली हॉलिडे ट्रिप्स की फोटोग्राफ्स से गैलेरी वॉल को सजा सकते हैं। एक खाली दीवार पर पर्सनल ट्रेवल फोटोग्राफ्स भी सजाए जा सकते हैं। इन्हें अलग अलग आकार में लगा सकते हैं।
- **रैप-अराउंड** : हो सकता है आपकी गैलेरी वॉल तैयार हो गई हो, लेकिन आपके कुछ खास आर्ट पीसेस अभी लगना बाकी हों, तो इन्हें भी रैप-अराउंड पैटर्न में सजा सकते हैं। कस्टम फ्रेम्ड आर्ट के साथ फ्लोर से सीलिंग तक की रैप-अराउंड गैलेरी वॉल किसी भी स्पेस को विजुअली हाइलाइट कर देती है। इस तरह आपको अपने फेवरेट पीसेस को सजाने की जगह भी मिल जाएगी।
- **नेचर-इंस्पायर्ड** : इंटीरियर डिजाइन में आउटडोर्स को इंडोर लाना बहुत सुना है। आर्ट के जरिये भी आप ये काम कर सकते हैं। नेचर इंस्पायर्ड गैलेरी वॉल्स बहुत पसंद की जाती हैं। विंटेज बॉटनिकल पोस्टर्स, लैंडस्केप फोटोग्राफी, प्रिजर्व्ड फ्लावर्स एंड इंसेक्ट्स और वॉल माउंटेड प्लांटर्स आपके कलेक्शन को नया डाइमेंशन तो देते ही हैं, साथ ही एक थीम भी मेंटेन करते हैं।
- **बोल्ड बैकड्रॉप** : किसी भी बोल्ड रंग वाली दीवार को गैलेरी वॉल में तब्दील किया जा सकता है। दीवार पर ब्राइट या डार्क शेड है या पैटर्न वाला वॉल पेपर लगा है तो इस पर एक परफेक्ट फोटो गैलेरी बनाई जा सकती है।
- **लाइब्रेरी गैलेरी** : पहले हाफबुककेस हाफ गैलेरी वॉल पैटर्न खूब पसंद किया जाता था, अब कुछ नया दिखाई दे रहा है। बुककेस और फोटोज को एक साथ लेयर किया जा रहा है। घर में ढेर सारी किताबें और तस्वीरें हैं तो इन्हें साथ में लेयर कर लाइब्रेरी गैलेरी वॉल तैयार की जा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस

आवश्यक है पर्यावरण संवर्धन कार्य

अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली हिमालय का अर्थ है- बर्फ का घर। वैसे हिमालय दुनिया के सबसे बड़े पर्वतों में से एक है, लेकिन इसे सबसे नया पर्वत कहा जाता है। विश्व के 15 सबसे बड़े पहाड़ हिमालय में ही है। 2, 400 किमी में फैली हिमालय की पहाड़ियां केवल भारत में ही नहीं हैं, बल्कि ये भारत, चीन, भूटान, अफगानिस्तान पाकिस्तान और ताजिकिस्तान में भी हैं।

अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस विश्वभर में 11 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्वतीय जीवन में सुधार लाना तथा पर्यावरण संरक्षण करना है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पर्वतीय क्षेत्र के सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डालना और पर्वतीय क्षेत्र के प्रति दायित्वों के लिए जागरूक करना है। पर्यावरण संवर्धन के कार्य सभी को करने चाहिए। खास तौर पर हिमालय जैसी परिवर्तनशील पर्वतश्रृंखला पर पर्यावरण संवर्धन कार्य ज्यादा आवश्यक है। हिमालय एक अपेक्षाकृत नया विकसित होने वाला पहाड़ है। इस पर्वत श्रृंखला में भूमिगत परिवर्तनों की वजह से भूगोल बदलता रहता है।

- **माउंट एवरेस्ट** : हिमालय में ही विश्व की सबसे ऊंची चोटी गौरीशंकर (माउंट एवरेस्ट) है। एवरेस्ट एशिया महाद्वीप में है और हिमालय का हिस्सा है। यह नेपाल और चीन की सीमा पर मौजूद है। यह पहाड़ 8,848 मीटर ऊंचा है।
- **हिमालय** : अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली हिमालय का अर्थ है- बर्फ का घर। वैसे हिमालय दुनिया के सबसे बड़े पर्वतों में से एक है, लेकिन इसे सबसे नया पर्वत कहा जाता है। विश्व के 15 सबसे बड़े पहाड़ हिमालय में ही हैं। 2, 400 किमी में फैली हिमालय की पहाड़ियां केवल भारत में ही नहीं हैं, बल्कि ये भारत, चीन, भूटान, अफगानिस्तान पाकिस्तान और ताजिकिस्तान में भी हैं। नेपाल में हिमालय को सागरमाथा के नाम से जाना जाता है।
- **अरावली पर्वत** : यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। इसे भी हिन्दूकुश पर्वत की तरह पारियात्र या पारिजात पर्वत कहा जाता है। वह इसलिए कि यहां पर पारिजात वृक्ष पाया जाता है। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। आबू के पहाड़ का सबसे ऊंचा शिखर सिरोही जिले में गुरुशिखर 1727 मी. से भी अधिक ऊंचा है जबकि धीरज टेकरियों की ऊंचाई 50 फुट की ही होगी। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, पंजाब आदि राज्यों में इस पर्वत की श्रृंखलाएं फैली हुई हैं।
- **विंध्याचल पर्वतमाला** : यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य शब्द की व्युत्पत्ति वि धातु से कही जाती है। भूमि को बेधकर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रृंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिर्जापुर, उप्र) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। देश के 51 शक्ति पीठों में से एक है विंध्याचल। विंध्याचल पर्वत श्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाला भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां हैं, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है।
- **महेन्द्राचल** : यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। महेन्द्रगिरि व महिन्द्राचल भारतवर्ष में दो माने जाते हैं। एक पूर्वी घाट पर तथा एक पश्चिमी घाट पर। वाल्मीकि रामायण का महेन्द्रगिरि पश्चिमी घाट पर है, जहां से हनुमानजी कूदकर लंका गए थे। दूसरा महेन्द्रगिरि, जो पुराणों में वर्णित है। दूसरा पूर्वी घाट के उत्तर में है और उड़ीसा के मध्य भाग तक फैला हुआ है। महेन्द्रगिरि उड़ीसा से लेकर मदुरै जिले तक फैली पर्वत श्रृंखलाएं हैं। इसमें पूर्वी घाट की पहाड़ियां तथा गोंडवाना तक फैली पर्वत श्रृंखलाएं भी सम्मिलित हैं।

सफाई के समय रखें हाइजीन का ख्याल

किचन में रखी कुछ चीजों का उपयोग करके आप ग्रेटर से लेकर प्रेशर कुकर की सफाई आसानी से कर सकते हैं। महामारी के बीच हाइजीन का ख्याल रखते हुए भी इन चीजों की सफाई जरूर करें। इससे इनकी उम्र बढ़ेगी और कम बजट में किचन की ये चीजें चमकती रहेंगी।

नॉन-स्टिक पैन: इसे साफ करने के लिए एल्युमिनियम फॉइल को बॉल्स की तरह लपेटकर बर्तन धोने वाले पाउडर के साथ मिक्स करके पैन की सफाई करें। इससे बर्तन पर लगे दाग निकल जाएंगे।

प्रेशर कुकर: प्रेशर कुकर अगर जल गया है तो उसे बेकिंग सोडे से साफ करें। सूखे प्रेशर कुकर की सतह पर बेकिंग सोडा डालें। एक सूखे कपड़े या स्पंज से इसे प्रेशर कुकर के चारों ओर लगाएं।

गैस: एक तिहाई सफेद सिरका और दो तिहाई पानी को एक स्प्रे बोतल में डाल लें। इससे गैस पर छिड़काव करें। इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर स्पंज से पोंछ लें।

चॉपिंग बोर्ड: लकड़ी से बने चॉपिंग बोर्ड चाकू के लिए भी अच्छा होता है। इससे चाकू जल्दी खराब नहीं होता। इसकी सफाई के लिए इस पर नमक छिड़कें। इसके बाद नींबू से 5 मिनट तक इसकी सतह रगड़ें और गीले स्पंज से साफ कर लें।

ग्रेटर: ग्रेटर पर यदि चीज अटक जाए तो सूखे टूथब्रश के ब्रिस्ल्स से साफ करें। अगर आपने लहसुन के लिए ग्रेटर का इस्तेमाल किया है तो इसे कुछ देर पानी में भिगोकर रखें।

ओसीडी से पीड़ित व्यक्ति को चाहिए उपचार

अपने आसपास आपने कुछ लोगों को जरूर देखा होगा, जिन्हें अकसर लोग सनकी कहते हैं। मसलन घर की सफाई, सुरक्षा, सेहत को लेकर थोड़ी सजगता स्वाभाविक है, लेकिन जब इस आदत की वजह से किसी की दिनचर्या, सेहत और रिश्ते प्रभावित होने लगें तो उसे और उसके परिवार वालों को सचेत हो जाना चाहिए, क्योंकि यह ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर नामक गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्या का लक्षण हो सकता है।

क्या है यह बीमारी

मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इसे मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं की श्रेणी में रखा जाता है। इसमें ब्रेन की कुछ खास तंत्रिकाएं अत्यधिक सक्रिय हो जाती हैं। इसी वजह से पीड़ित व्यक्ति के मन में बार-बार एक ही जैसे विचार आते हैं, लेकिन कोशिश करने के बावजूद वह उन्हें रोकने में असमर्थ होता है। इस समस्या से ग्रस्त लोग सामान्य दिखते हैं और दूसरों के साथ परेशानी के बारे में बातचीत भी कर सकते हैं। शुरुआती दौर में मरीज या उसके परिवार के सदस्य इसके लक्षणों को पहचान नहीं पाते। बाद में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है।

लक्षण

लोगों में इसके लक्षण अलग-अलग ढंग से दिखाई देते हैं, क्योंकि हर इंसान का अपना अलग पर्सनैलिटी ट्रेट होता है। मसलन, अगर कोई व्यक्ति ज्यादा सफाई पसंद है तो वह पूरे दिन डस्टिंग और पोंछा लगाने जैसे कार्यों में व्यस्त रहता है। ऐसे लोगों को अगर कोई समझाने की कोशिश करता है तो वे बुरी तरह नाराज हो जाते हैं। इसी तरह कोई व्यक्ति स्वयं को ज्यादा असुरक्षित महसूस करता है तो वह अपनी रखी गई चीजों को बार-बार संभालता रहता है।

नुकसान

ओसीडी से पीड़ित व्यक्ति हमेशा चिंतित और तनावग्रस्त रहता है। इसी वजह से उसके मन में भय, असुरक्षा और निराशा जैसी नकारात्मक भावनाएं घर कर लेती हैं। अगर उसे रोका जाता है तो उसे बहुत बेचैनी महसूस होती है। नतीजतन इस समस्या से ग्रस्त लोगों के निजी और प्रोफेशनल संबंध तनावपूर्ण हो जाते हैं। ऐसे लोगों को अनिद्रा, पाचन संबंधी गड़बड़ी, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं।

उपचार

उपचार में काउंसलिंग के साथ दवाओं की भी जरूरत पड़ती है। जिस माहौल में इस समस्या के लक्षण प्रकट होते हैं, कई बार मरीज को वहां से दूर करने के लिए कुछ दिनों तक हॉस्टिपटल में भर्ती कराने की भी जरूरत पड़ती है। इसका उपचार थोड़ा लंबा होता है और इसमें महीनों लग सकते हैं। ट्रीटमेंट कंप्लीट होने के बाद अगर मरीज में दोबारा कोई लक्षण नजर आए तो बिना देर किए विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। मरीज के व्यवहार की वजह से परिवार के सदस्यों को भी बहुत परेशानी होती है। ऐसे में उनकी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपना धैर्य बनाए रखें और उसे पूरा सहयोग दें।

बाल झड़ने के शिकार हैं आप भी ?

प्रदूषित वातावरण, पानी और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन के कारण शरीर पर दुष्प्रभाव बढ़ते ही जा रहे हैं। आंखें, कान, त्वचा, श्वसन तंत्र सभी इसकी चपेट में आते जा रहे हैं। बाल भी इसकी चपेट से बच नहीं पाए हैं। बालों का असमय पकना, डैंड्रफ, बालों का झड़ना इन समस्याओं से अधिकतर लोगों को जूझना पड़ता है। कोई भी अपनी क्राउनिंग ग्लोरी को कम होता नहीं देखना चाहता। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो ध्यान दें कि उनकी चमक, उनके स्वास्थ्य पर ताकि वे हमेशा चमकते रहें।

- प्रतिदिन एक छोटा बाउल स्प्राउट्स का लें। स्प्राउटस आप मूंग साबुत और काले चने के बना सकते हैं। उसमें आप ताजे फल, सलाद की कच्ची सब्जियां, ड्राईफ्रूट्स मिला कर खा सकते हैं। अपने नियमित खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत दालें, सभी प्रकार के अनाज से बनी रोटी, दही का सेवन करें।
- अगर आपके बाल तैलीय हैं या उनमें डैंड्रफ है तो खूब सारा पानी पियें। प्रातः उठते ही एक गिलास पानी में एक नींबू का रस डालकर पानी पिएं।
- जंक फूड का सेवन कम से कम करें जैसे बर्गर, तले हुए चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, अधिक मसाले वाला या मीठे खाद्य पदार्थ आदि। चाय-कॉफी या अधिक कच्ची सब्जियां, टोफू और टमाटर का सेवन कम से कम करें क्योंकि बाल गिरने में इनका भी योगदान है।
- प्रोटीन युक्त भोज्य पदार्थों का सेवन नियमित करें जैसे सोयाबीन, लो फैट चीज, अंडे, बींस और दही। इन खाद्य पदार्थों से बालों को पौष्टिकता मिलती है, जो बालों की ग्रोथ के लिए आवश्यक है।

क्या प्रयोग करें जब बाल झड़ते हों

- *एलोवेरा जेल से सिर की त्वचा पर मालिश करें। इससे बालों की ग्रोथ अच्छी होती है।*
- *आंवला, रीठा और त्रिफला को मिलाकर इससे सिर धोएं। महाभृंगराज तेल बालों पर लगाने से भी बालों का झड़ना कम होता है।*
- *ब्राह्मी बालों के लिए अति उत्तम है इससे जड़ें मजबूत होती है और बाल बढ़ते हैं। ब्राह्मी लगाने से डैंड्रफ और बालों की सफेदी भी कम होती है।*

अपनी स्किन के लिए चुनें सही फेशवॉश

ऐसे कई लोग हैं जो फेश वॉश का इस्तेमाल तो करते हैं। लेकिन उन्हें ये नहीं पता होता कि उनकी स्किन के अनुसार उनके लिए कौन सा फेस वॉश सही है या किसे लगाने से त्वचा को नुकसान हो कसता है।

- **ऑइली स्किन** : नियासिनामाइड, एएचए, बीएचए, चारकोल, क्लेयुक्त क्लींसिंग जेल या फोम बेस्ड फेस वॉश की तलाश करें। प्रोडक्ट्स खरीदने के दौरान ऐसे फोम बेस्ड विकल्प को तलाश करें जो स्किन के जरूरी ऑइल्स खींचे बिना ही स्किन साफ करता हो। डबल क्लींसिंग करें। फोम बेस्ड प्रोडक्ट का एक पंप ही काफी होगा। मेकअप हटाने के लिए पहले मिसेलर वॉटर का इस्तेमाल किया जा सकता है, फिर क्लेंसर लगाया जा सकता है।
- **ड्राय स्किन** : फेशियल स्किन लगातार टाइट महसूस होती है तो अपना मौजूदा क्लेंसर बदल लें। अल्कोहल फ्री प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। स्किन को हाइड्रेटेड रखने वाले प्रोडक्ट्स चुनें। ऐसे क्लेंसर चुनें जो चेहरे की गंदगी और मेकअप को हटा सकें। प्रोडक्ट फ्रेगरेंस और पैराबिन फ्री हो। लैक्टिक एसिड सिरेमाइड्स, आमंड ऑइल, ओट मिल्क और पॉलीफिनॉल्स अच्छे होते हैं। जेल और बाम सबसे अच्छे रहते हैं। ऑइल बेस्ड क्लेंसर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे नर्म कपड़े से स्किन पर मसाज करें। नर्म कपड़ा गुनगुने पानी में भीगा हुआ होना चाहिए।
- **कॉम्बिनेशन स्किन** : बेहद स्ट्रॉन्ग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ये स्किन के नेचुरल ऑइल खींच लेते हैं। कॉम्बिनेशन स्किन में प्रोडक्ट्स का संतुलन बेहद जरूरी है, क्योंकि स्किन के कुछ हिस्से ड्राय होते हैं और कुछ ऑइली। माइल्ड जेल बेस्ड फेस वॉश इस्तेमाल करना चाहिए, जो स्किन को ड्राय न होने दे। पैंथेनॉल, टी-ट्री ऑइल, एलोवेरा, एएचए, युक्त प्रोडक्ट्स चुने जा सकते हैं।

किस्सा अकबर-बीरबल का

अशर्फियों की थैली

एक बार बादशाह अकबर दरबार में बैठे राजकाज की चर्चा में व्यस्त थे कि अचानक दरबान ने आकर बताया, महाराज, महल के बाहर दो व्यक्ति एक थैली के ऊपर झगड़ा कर रहे हैं।

बादशाह ने दोनों को अन्दर बुलवाया और उनकी समस्या के बारे में पूछा। तभी उनमें से एक व्यक्ति बोला, हुजूर मेरा नाम काशी है और मैं तेल बेचता हूं। एक दिन यह व्यक्ति मेरी दुकान पर तेल लेने के लिए आया था और तभी मौका पाकर अशर्फियों से भरी मेरी थैली भी अपने साथ ले गया। जब मैंने इससे उस थैली के बारे में पूछा तो यह उस थैली को अपनी थैली बताने लगा। अब तो हुजूर आप ही न्याय करें।

बादशाह अकबर ने कसाई से पूछा, तुम्हें इस बारे में कुछ कहना है। जहांपनाह, मैं रमजान कसाई हूं। जब वह आज मेरी दुकान पर आया तब मैं आज के बिके हुए मांस से आई अशर्फियों को गिन रहा था कि इसने मेरे हाथ से थैली छीन ली और अब उसे अपनी बता रहा है।

हुजूर, मैं गरीब आदमी हूं आप मेरी अशर्फियों की थैली मुझे वापस दिलवा दीजिए।

दोनों का पक्ष सुनकर बादशाह सोच में पड़ गए कि आखिर सही कौन है। किसके हक में फैसला सुनाएं। तब उन्होंने बीरबल से सच पता लगाने के लिए कहा और उन दोनों को बाहर भेज दिया।

बीरबल ने सेवक से एक कटोरे में पानी लाने को कहा और थैली में से कुछ अशर्फियां निकालीं। जब सेवक पानी ले आया तो बीरबल ने वो अशर्फियां उस पानी में डाल दीं और फिर बादशाह से कहा, हुजूर ये अशर्फियां तो कसाई की हैं, क्योंकि इन्हें पानी में डालने पर तेल का कोई भी कण नहीं दिख रहा। अगर ये अशर्फियां तेली की होतीं तो इन पर थोड़ा बहुत तेल जरूर लगा होता।

बीरबल की बात से बादशाह अकबर भी पूरी तरह सहमत हो गए। दोनों को फिर से दरबार में बुलाया गया। बीरबल ने तेली से कहा, तुमने झूठ बोला है। यह थैली तुम्हारी नहीं रमजान कसाई की है।

लेकिन तेली अभी भी उस थैली को अपनी बता रहा था। जब वह अपनी बात पर अड़ा रहा तो बीरबल ने उसे वह कटोरा दिखाया और कहा, अगर यह अशर्फियों से भरी थैली तुम्हारी होती तो इन पर तेल जरूर लगा होता। बीरबल की बात सुनकर काशी तेली चुप खड़ा हो गया। बादशाह ने तेली को झूठ बोलने के जुर्म में कारागर में डलवा दिया और कसाई को उसकी थैली लौटा दी।

जोक्स

शौक

टीचर: तुम पढ़ने में ध्यान क्यों नहीं देते हो ?

टीटू: क्योंकि पढ़ाई सिर्फ दो वजह से की जाती है। पहला कारण है डर और दूसरा कारण शौक । बिना वजह के शौक हम पालते नहीं और डरते तो हम किसी के बाप से नहीं।

स्वर्ग

पत्नी: सुना है स्वर्ग में पति के साथ पत्नी को नहीं रहने देते।

पति: सही सुना है, इसलिए तो उस जगह को स्वर्ग कहते हैं।

पेपर

संता: तेरा इतिहास का पेपर कैसा हुआ?

बंता :बहुत बुरा,सारे सवाल मेरे जन्म से पहले के पूछे थे।

सलाह

सास अपनी बहू से परेशान थी, क्योंकि वो कोई काम नहीं करती थी

एक दिन सास ने अपने बेटे के साथ मिलकर सलाह की,कल सुबह मैं घर में झाड़ू लगाउंगी और तुम मुझे टोकना,कि लाओ मां मैं कर देता हूं। इस तरह बहू को कुछ तो शर्म आएगी।

सुबह जैसे ही मां झाड़ू लगाने लगी।

बेटा: लाओ मां मैं कर देता हूं।

बहू: अरे, इसमें झगड़ने की क्या बात है, एक दिन मां लगाएंगी और एक दिन तुम लगा लेना।

झगड़ा

पत्नि: मैं पूरा घर संभालती हूं किचन संभालती हूं,बच्चों को संभालती हूं, तुम क्या करते हो?

पति: मैं खुद को संभालता हूं।

तुम्हारी आखें देखकर

बीवी: आप भी ना,चलो बताओ आज क्या बनाऊं आपकी पसंद का।

परम सत्य ज्ञान

कहते हैं कि पति परिवार को हेड होता है।

लेकिन लोग भूल जाते हैं कि पत्नी परिवार की गर्दन होती है। और गर्दन जिधर मुड़ेगी,हेड को तो उधर ही मुड़ना है।

सर्दियों में न हो हृदय संबधी समस्याएं

सर्दियों के मौसम में हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम अधिक होता है। इस मौसम में हृदय रोगियों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ठंडे वातावरण के कारण हमारे शरीर को अपना तापमान बनाए रखने के लिए कुछ शारीरिक समायोजन करने पड़ते हैं। ये सामान्य समायोजन हृदय रोगियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। इसके अलावा ठंडे तापमान के कारण हमारी हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर में वृद्धि होती है। साथ ही आपके हृदय के लिए काम करना काफी कठिन होता है और रक्त के थक्कों के प्रसार में भी वृद्धि होती है। जो कि हमारे हृदय के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। जिससे कि हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का जोखिम अधिक हो जाता है।

नट्स

नट्स हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। यह न सिर्फ आपके रक्त में वसा को संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं बल्कि हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। नट्स में मैग्नीशियम, विटामिन-ई, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है। जो कि आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं।

पोटेशियम युक्त फल और सब्जियां

सर्दियों में आपके दिल के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए पोटेशियम बेहद लाभकारी है। पोटेशियम युक्त फल और सब्जियों जैसे खट्टे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां आपके ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं। इनसे आपको फाइबर भी मिलता है जो कि कॉलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इससे हृदय संबंधी रोग का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

योगाभ्यास

योग हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को कम करने में योग काफी कारगर उपाय है। योग करने से आपको ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। साथ ही योग से हृदय की आर्टरी में रक्त के प्रवाह को सुचारू बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा योग से अवसाद और चिंता जैसे मानसिक विकारों से राहत पाने में भी मदद मिलती है। नतीजा, इससे हार्ट रेट सामान्य रहती है।

वजन को बढ़ने न दें

वजन बढ़ना आपके हृदय के लिए बेहद नुकसानदायक हो साबित हो सकता है। मोटापा हृदय संबंधी समस्याओं के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। भले ही आपको कोई मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्या न हो, मोटापा लगभग सभी दिल की बीमारियों के जोखिम कारकों को प्रभावित करता है। इसलिए अगर आपको अपने हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना है तो अपने वजन को नियंत्रित रखना जरूरी है।

अल्कोहल और धूम्रपान से दूर

शराब और धूम्रपान के कारण आपका ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है। जिससे कि यह आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर जोखिम कारक साबित हो सकता है। साथ ही अल्कोहल का अधिक मात्रा में सेवन करने से आपका वजन बढ़ता है। जो कि हृदय संबंधी समस्याओं का प्रमुख जोखिम कारक है।

खर्राटों से हैं परेशान, तो करें कुछ उपाए

दुनिया में बहुत से लोग खर्राटों से परेशान हैं। खुद तो उन्हें खर्राटों की समस्या रहती ही है, लेकिन आसपास के लोग उनके खर्राटों से परेशान रहते हैं। खर्राटों से निजात का उपाय तो समझ में आ गया, लेकिन सवाल ये है कि खर्राटे आते क्यों हैं? खर्राटे आने के कई कारण हो सकते हैं। खर्राटे जीभ, गले, मुंह और श्वास नली के कारण हो सकता है। सांस अंदर लेने और छोड़ने पर ये कंपन करते हैं, जिससे खर्राटे आते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब आप सो रहे होते हैं तो शरीर के ये हिस्से शिथिल और संकुचित हो जाते हैं।

करवट लेकर सोएं

पीठ के बल सोने से कभी-कभी आपकी जीभ आपके गले के पीछे चली जाती है जो आपके गले से हवा के प्रवाह को आंशिक रूप से अवरुद्ध कर देती है। हवा को आसानी से प्रवाहित करने और अपने खर्राटों को कम करने या रोकने के लिए आपको करवट लेकर सोना ही पड़ सकता है।

पर्याप्त नींद लें

आपको 7-9 घंटे की नींद हर रात लेनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो अगली रात खर्राटे आ सकते हैं। नींद की कमी से आपके खर्राटों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आपके गले की मांसपेशियों को आराम पहुंचा सकता है, जिससे आपको वायुमार्ग में रुकावट होने की अधिक संभावना हो सकती है। खर्राटों से आपकी नींद की कमी का खतरा भी बढ़ सकता है,क्योंकि इससे नींद में बाधा आती है।

सिर को ऊपर उठाएं

अपने बिस्तर के सिरहाने (सिर रखने वाले हिस्से) को कुछ इंच ऊपर उठाने से आपकी नाक के वायुमार्ग खुले रहकर खर्राटों को कम करने में मदद मिल सकती है। थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई पाने के लिए आप बेड राइजर या तकिए का उपयोग कर सकते हैं।

नेजल डाइलेटर का उपयोग करें

नासिका मार्ग में जगह बढ़ाने में मदद के लिए स्टिक-ऑन नेजल स्ट्रिप्स को आपकी नाक के पुल पर रखा जा सकता है। यह आपकी श्वास को अधिक प्रभावी बना सकता है और आपके खर्राटों को कम या समाप्त कर सकता है। आप एक बाहरी नेजल डाइलेटर भी आजमा सकते हैं जो एक चिपकने वाली पट्टी होती है जिसे नाक के ऊपर नासिका छिद्रों पर लगाया जाता है। इससे वायुप्रवाह प्रतिरोध कम हो सकता है जिससे सांस लेना आसान हो जाता है।

धूम्रपान ना करें

धूम्रपान एक ऐसी आदत है जो आपके खर्राटों को खराब कर सकती है। खर्राटों का एक संभावित कारण यह है कि धूम्रपान से ओएसए का खतरा बढ़ सकता है या स्थिति खराब हो सकती है। इसलिए स्मोकिंग से दूर रहें।

डाइट चेंजेस

सोने से पहले हैवी मील से बचने की सलाह दी जाती है। खासकर डेयरी प्रोडक्ट्स से बचें। हाइड्रेटेड रहें, क्योंकि डिहाइड्रेशन से गले के टिश्यू चिपचिपे हो सकते हैं।

कंधों को मजबूत बनाने वाली इफेक्टिव एक्सरसाइज

खुद को फिट रखने के लिए स्ट्रेंथ बढ़ाने वाले एक्सरसाइज करना जरूरी है। इस रूटीन में शोल्डर पर ध्यान देना जरूरी होता है। बॉडी को स्ट्रॉन्ग रखने के लिए कंधों का मजबूत होना जरूरी है। बॉडी के ऊपरी हिस्से की मजबूती आपको न केवल बेहतर बॉडी शेप देती हैं, बल्कि फिट रहने में भी मदद करती है।

क्रॉस आर्म स्ट्रेच

अपने दाहिने हाथ को अपनी छाती के पार रखें। अब अपने दाहिने ऊपरी बांह को धीरे से अपने शरीर के करीब खींचने के लिए अपने बाएं हाथ का प्रयोग करें। 5 से 10 सेकंड के लिए रुकें और आराम करें। दूसरी तरफ दोहराएं।

लो बैक हैंडक्लस्प

हाथों को अपनी पीठ के पीछे ले आएं, अंगूठे जमीन की ओर रखें और हथेलियों को मिला लें। आपके हाथ आपकी पीठ के निचले हिस्से के साथ भी जुड़े होने चाहिए। अब कंधे के ब्लेड्स को एक साथ लाएं और अपनी पीठ को नीचे झुकते हुए एक आर्क बना लें। 10 सेकंड के लिए रुकें।

शोल्डर रोल

रीड को सीधा रखते हुए खड़े रहें। अपने कंधों को ऊपर, पीछे और नीचे रोल करें। इस मूवमेंट को 10 बार करें। अब अपने कंधों को ऊपर, आगे और नीचे 10 बार रोल करें। इस मूवमेंट को भी 10 बार दोहराएं।

काउ फेस पोज

योगा मैट पर अपनी पीठ सीधी करके बैठें और पैरों को सामने की ओर फैलाएं। अपने पैरों को एक साथ रखें। अपने दाहिने पैर को मोड़ें और दाहिने पैर को अपने बाएं हिप्स के नीचे रखें। अब अपने बाएं घुटने को अपने दाहिने घुटने पर रखें। अपने बाएं हाथ को अपने सिर के ऊपर उठाएं, और कोहनी को मोड़ें। इसके साथ ही, दाहिने हाथ को अपनी पीठ के पीछे ले आएं और दोनों हाथों को इंटरलॉक करें। गहरी सांस लें और जब तक आप आराम से रहें।

बनाइए नेत्रों को स्वस्थ व सशक्त

- एक स्वच्छ गिलास में जल लेकर मुंह में पूरी तरह पानी भर लें और उसके बाद एक आंखों पर हल्के-से छींटे मारें। पलकों पर ध्यान रखें कि वे झपकें नहीं। पांच-सात बार छींटे मारते-मारते सांस फूलने लगती है। इसके बाद कुल्ला करके सामान्य सांस लेनी चाहिए। थोड़ी देर बाद फिर से मुंह में पानी भरकर जल के छींटे मारें। यह क्रम पांच-सात बार करें।
- एक बाल्टी साफ पानी लेकर, श्वास रोककर अपने सिर को उस पानी में इतना डुबाएं कि आंख, नाक, मुंह सभी पूरी तरह डूब जाएं। अब उसी पानी के अंदर आंखें खोलने, बंद करने और पुतलियों को इधर-उधर घुमाने का प्रयत्न करें। जब सांस लेना हो तो सिर बाहर कर लें। दो-चार आवृत्ति से आंखें भली-भांति स्वच्छ और शीतल हो जाती हैं।
- नेत्रों को स्वच्छ एवं सशक्त बनाये रखने में त्रिफला जल बहुत गुणकारी पाया गया है। किसी साफ-सुथरे मिट्टी के पात्र या स्टील के बर्तन में एक-दो चम्मच त्रिफला चूर्ण (आंवला, हरीतिकी एवं बहेड़ा के समभाग चूर्ण) को रात्रि में एक गिलास पानी में भिगो दें। प्रातः काल उसे स्वच्छ हाथों से खूब मलकर साफ सुथरे कपड़े से छान लें। इस जल से नेत्रों को धोने से उनकी सफाई तो होती ही है, साथ ही प्राकृतिक पोषण भी मिलता है। सुबह तथा रात में सोने से पूर्व आंखों को धोना चाहिए।

आंखों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने की क्रियाएं अत्यंत सरल हैं जिन्हें अपनाकर कोई भी लाभान्वित हो सकता है। आंखों को धूल एवं गर्मी से बचाये रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिदिन सुबह उठते ही ठंडे पानी से साफ करना न भूलें।

बाल कहानी

मेहनत का फल रंग लाया

वर्षों पुरानी बात है। जयपुर के महल में निर्माण और मरम्मत का काम चल रहा था। एक दिन राजा अपने मंत्री के साथ महल में चल रहे, काम की प्रगति को देखने के लिए गये। महाराज को आते हुए देखकर सारे राजगीर और मजदूरों में चुप्पी छा गई और सब काम में चुपचाप इस तरह लग गए जैसे सवेरे से ही जी तोड़ मेहनत कर रहे हों। मजदूर जल्दी-जल्दी छैनी और हथौड़ी से पत्थर तराशने लगे और राजगीर ईंटों को ढंग से लगाकर प्लास्टर से दीवार चुनने लगे। मजदूर आदत के अनुसार काम को धीमी गति से करते हैं इसलिए काम मंदगति से आगे बढ़ता है। यही कुछ देखने के लिए महाराज वहां पधारे थे।

ऐसा भी है कि सारे मजदूर एक जैसे नहीं होते। कुछ ऐसे भी हैं जो काम को पूजा समझ कर पूरी लगन और निष्ठा से अपना काम निपटाते हैं। उन्हीं मजदूरों में भरत नाम का एक राजगीर ऐसा भी था जो अपने काम को पूरी निष्ठा, लगन, और तन्मयता से करता था। उस समय भी वह अपने काम में इतना खोया हुआ था कि उसे किसी के आने जाने का आभास ही नहीं था। ऊपर काम करते करते अचानक भरत का पैर किसी चीज से टकरा गया। उसका ध्यान टूटा तो उसने नीचे झांककर देखा तो वह चौंक उठा और उसके होश हवास उड़ गये। महाराजा उस समय दरवाजे से नीचे जा रहे थे, उन्हीं के मस्तक से भरत राजगीर का पैर छू गया था। वह भय के मारे कांप उठा। उसके हाथ से करनी और बसौली छूटकर नीचे गिर पड़ी। भय के कारण वह बीच में ही काम छोड़कर घर आ गया। रोज की तरह अगले दिन भी महल में काम यथावत चल रहा था। दूसरे मजदूर और राजगीर काम पर लगे हुए थे, लेकिन आज भरत नहीं आया था। महाराजा अपने मंत्री के साथ उसी रास्ते से कहीं जा रहे थे। उन्हें विचार आया कि चलो लगे हाथ काम की प्रगति भी देखते चलें। जब वे वहां पहुंचे तो उनकी दृष्टि कल वाले राजगीर पर गई। लेकिन आज उसका स्थान खाली था। महाराजा ने दरवाजे की ओर दृष्टि डालकर काम की देखभाल करने वाले से पूछा- कल जो आदमी यहां काम कर रहा था, दिखाई नहीं पड़ रहा है? तब एक बूढ़े राजगीर ने महाराजा से हाथ जोड़कर कहा- अन्नदाता ! अनजाने में कल उससे भयंकर अपराध हो गया था। वह अपने काम में इतना खोया हुआ था कि उसे पता ही नहीं चला कब आपके मस्तक से उसका पैर छू गया। इसी कारण वह बहुत घबराया हुआ है। तेज बुखार के कारण घर में बेसुध पड़ा है। कल उसे मेरे सामने हाजिर किया जाये। महाराजा ने आदेश दिया और चले गये। महाराजा की आज्ञा अनुसार अगले दिन भरत राजगीर को महाराजा के सामने उपस्थित किया गया। वह भयभीत और बीमार था। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसके मन में यह भय बैठ गया था कि महाराजा उसके अपराध को अक्षम्य मानकर अवश्य ही उसे मौत की सजा देंगे। भरत राजगीर महाराजा के सामने दोनों हाथ जोड़े अपराधी की भांति चुपचाप खड़ा था। महाराजा ने मुस्कुरा कर उसकी ओर देखा और मंत्री से कहा- मंत्री जी इस कारीगर को दो सौ चांदी के सिक्के, एक पगड़ी और दुशाला भेंट किए जाएं।

महाराजा की आज्ञा के अनुसार सारी वस्तुएं एक थाल में रखकर राजगीर को दे दी गई। महाराजा ने उससे पूछा- तुम्हें एक दिन की कितनी मजदूरी मिलती है? आठ आने मिलते हैं अन्नदाता। उसने डरी सहमी आवाज में कहा। आज से तुम्हें एक रूपया मजदूरी मिलेगी। मैं तुम्हारी मेहनत और काम करने की लगन से बहुत खुश हूं। महाराजा ने कहा।सभी चुप खड़े थे। भरत राजगीर की आंखों में भय के बदले खुशी के आंसू फूट रहे थे। वह महाराजा के चरणों में नतमस्तक हो गया। सच है, मेहनत अवश्य रंग लाती है।

छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वावधान में मंगलवार को छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक चेतना विकसित कर उन्हें संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानून के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ना था।

कार्यक्रम माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के० विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्वेता पटेल, रवि कश्यप और व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी महिमा शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न विधिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। न्यायाधीशों ने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह कानून के प्रति सजग और उत्तरदायी बने। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम, उसके विधिक परिणाम और दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए अनुशासित एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया।

नशामुक्ति और अन्य विषयों पर चर्चा

कार्यक्रम में मध्यस्थता के माध्यम से विवाद समाधान, महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकार, यातायात नियमों के पालन और लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के तहत ई-चालान संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई।नशा मुक्ति पर विशेष सत्र में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। वक्ताओं ने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और परिवार-समाज को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने की अपील की। पैरालीगल वॉलेंटियर्स* ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र लोगों को मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श और अन्य योजनाओं की जानकारी भी दी।

प्रधान जिला न्यायाधीश का संदेश

इस अवसर पर *प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग* का प्रेरणादायी संदेश भी पढ़ा गया। संदेश में विद्यार्थियों से जीवन के अवसरों का सदुपयोग करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर उज्ज्वल भविष्य बनाने की प्रेरणा दी गई।

विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया

शिविर के अंत में विद्यार्थियों की विधिक जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की। आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कानून के प्रति संवेदनशील बनाकर एक न्यायपूर्ण, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की कारर्वाई, 2600 रुपये जुर्माना वसूला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कारर्वाई की जा रही है। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 05 अगस्त 2026 को जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-03 अंतर्गत मॉडल टाउन क्षेत्र के विनोबा नगर के पास विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, अनुज्ञप्ति लाइसेंस का अभाव, डस्टबिन की व्यवस्था नहीं होने तथा साफ-सफाई का अभाव पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कारर्वाई की गई। कारर्वाई के दौरान संतोष किराना स्टोर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये, वर्मा किराना स्टोर पर 700 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए तथा 100 रुपये डस्टबिन नहीं रखने पर, मंटू प्रसाद कानू पर 500 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर, मंटू प्रसाद कानू आनंद पान पैलेस पर 100 रुपये साफ-सफाई नहीं रखने पर तथा चाय चस्का प्रतिष्ठान पर अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं पाए जाने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 2600 रुपये की चालानी राशि वसूल की गई। निगम प्रशासन ने प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, प्रतिष्ठान के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन की व्यवस्था रखने तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति लाइसेंस प्राप्त करने के निर्देश दिए।

600 से ज्यादा अवैध प्रवासी और किरायेदारों का सत्यापन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा विशेष सत्यापन एवं जनसुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज थाना सिलतरा पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र में निवासरत श्रमिकों, बाहरी राज्यों से आकर कार्य करने वाले व्यक्तियों और किरायेदारों के दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), नोडल अधिकारी एसटीएफ अभिषेक झा और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (माना) लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया। विशेष अभियान के तहत सांकरा स्थित जे.के. वीडियो हॉल परिसर में लगभग 600 किरायेदारों का भौतिक सत्यापन कर दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान 6 संदेही व्यक्तियों की विशेष तस्दीक की गई, जिनसे पूछताछ कर वैधानिक प्रक्रिया के तहत आगे की जांच जारी है। पुलिस ने मकान मालिकों और प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को किराए पर मकान न दें और बाहरी व्यक्तियों की समय-समय पर पुलिस को जानकारी उपलब्ध कराएं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक झा ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अपराधो की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अवैध प्रवासी और किरायेदारों का सत्यापन अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100